वर्ष 24, अंक 284, पृष्ठ 08, मूल्य: 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज सोमवार 21 अप्रैल 2025 विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

भारी बारिश के बाद अचानक आई बाढ़

तीन लोगों की मौत, करीब 40 घर क्षतिग्रस्त

जम्मू-कश्मीर

एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि भारी बारिश, बादल फटने, तेज हवाओं, भूस्खलन और ओलावृष्टि के कारण पूरे जिले में भारी नुकसान हुआ है। अधिकारी ने कहा, 'हम स्थिति पर नजर रख रहे हैं और बाद में (नुकसान का) आकलन किया जाएगा ताकि प्रभावित लोगों को सहायता प्रदान की जा सके। इस समय हमारी प्राथमिकता लोगों की जान बचाना है।'

जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में रातभर हुई भारी बारिश के कारण अलग-अलग जगहों पर अचानक बाढ़ आ गई, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। इस आपदा ने इलाकों में भूस्खलन और ओलावृष्टि भी की, जिससे बुनियादी ढांचे और संपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचा है। स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन टीम ने राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया है और नागरिकों से सावधानी बरतने की अपील की है।

कई इमारतें और वाहन क्षतिग्रस्त

रामबन जिले में भारी बारिश और ओलावृष्टि के बाद भूस्खलन के कारण कई इमारतें और वाहन क्षतिग्रस्त हो गए हैं। सामने आई जानकारी के अनुसार, आपदा में दस घर पूरी तरह से नष्ट हो गए, जबकि 40 मकान क्षतिग्रस्त हो गए। पुलिस और जिला प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्र में फंसे करीब 90 से 100 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है।

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर आवाजाही प्रभावित

लगातार बारिश के कारण हुए भूस्खलन के बाद रामबन जिले में जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग 44 का एक हिस्सा बुरी तरह प्रभावित हुआ है। प्रशासन ने लोगों को इस राजमार्ग से गुजरने से बचने की सलाह दी है। उप यातायात निरीक्षक जावेद कटारिया ने कहा, 'राष्ट्रीय राजमार्ग (रामबन जिले में जम्मू-श्रीनगर एनएच) पूरी तरह से अवरुद्ध है (भूस्खलन के कारण)। मौसम में सुधार होने तक इस राजमार्ग से गुजरने से बचें। निकासी का काम चल रहा है, लेकिन ऐसा नहीं लगता कि राजमार्ग शाम या कल से पहले खुलेगा क्योंकि लगातार बारिश हो रही है।'

अधिकारियों ने क्या कहा?

एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि भारी बारिश, बादल फटने, तेज हवाओं, भूस्खलन और ओलावृष्टि के कारण पूरे जिले में भारी नुकसान हुआ है। अधिकारी ने कहा, 'हम स्थिति पर नजर रख रहे हैं और बाद में (नुकसान का) आकलन किया जाएगा ताकि प्रभावित लोगों को सहायता प्रदान की जा सके। इस समय हमारी प्राथमिकता लोगों की जान बचाना है।'

केंद्रीय मंत्री का बयान

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने स्थिति की गंभीरता को स्वीकार करते हुए कहा कि रात भर, रामबन क्षेत्र, जिसमें रामबन शहर के आसपास के इलाके शामिल हैं, में भारी ओलावृष्टि, कई भूस्खलन और तेज हवाएं चलीं। राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध हो गया और दुर्भाग्य से, तीन लोग हताहत हुए और कुछ परिवारों की संपत्ति नष्ट हो गई। उन्होंने कहा, 'मैं उपायुक्त के लगातार संपर्क में हूं। जिला प्रशासन समय पर और त्वरित कार्रवाई के लिए प्रशंसा का पात्र है जिसके कारण कई कीमती जानें बचाने में मदद मिली।' उधमपुर से सांसद सिंह ने कहा कि वित्तीय मदद समेत हर तरह की राहत प्रदान की जा रही है।

आदित्यनाथ का अधिकारियों को आपदा प्रभावित क्षेत्रों में जाने, राहत कार्य पर नजर रखने के निर्देश

उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आंधी-बारिश,प्रभावित जिले के अधिकारियों को पूरी तत्परता से राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिए हैं। एक अधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी प्रभावित इलाकों में जाएं तथा राहत कार्य पर नजर रखें। राज्य में पिछले कई दिनों में आंधी और बारिश हुई है। बयान के अनुसार योगी ने कहा कि बिजली गिरने, आंधी तूफान,

बारिश आदि आपदा से जनहानि और पशुहानि होने की स्थिति में तत्काल प्रभावितों को राहत राशि दी जाए साथ ही घायलों का समुचित उपचार कराया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि अधिकारी फसल नुकसान का आकलन करते हुए।

भागवत ने एक मंदिर, एक कुआं और एक श्मशान भूमि के आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया

नई दिल्ली

भागवत ने कहा कि परिवार समाज की मूलभूत इकाई है, जो संस्कार से प्राप्त मजबूत पारिवारिक मूल्यों पर आधारित है।

उन्होंने राष्ट्रवाद और सामाजिक एकता की नींव को मजबूत करने के लिए त्योहारों के सामूहिक उत्सव को प्रोत्साहित किया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने एक मंदिर, एक कुआं और एक श्मशान भूमि के आदर्शों को अपनाकर सामाजिक सद्भाव के लिए प्रयास करने का आह्वान किया है। संघ प्रमुख अलीगढ़ के पांच दिवसीय दौरे पर हैं।

भागवत ने एच.बी. इंटर कॉलेज और सासनी गेट इलाके में पंचन नगरी पार्क में आयोजित दो शाखाओं में स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए हिंदू समाज के सदस्यों से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का आह्वान किया है, जिसे केवल समरसता के माध्यम से ही प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने इसके लिए सामाजिक सद्भाव पर जोर दिया।

आरएसएस सूत्रों के अनुसार भागवत ने हिंदू समाज की आधारशिला के रूप में संस्कार के महत्व को रेखांकित किया और सदस्यों से परंपरा, सांस्कृतिक मूल्यों और नैतिक सिद्धांतों पर आधारित समाज बनाने का आग्रह किया।

उन्होंने आरएसएस सदस्यों से समाज के सभी वर्गों तक पहुंचने और उन्हें अपने घरों में आमंत्रित करने की वकालत की ताकि जमीनी स्तर पर सद्भाव और एकता का संदेश फैलाया जा सके।

भागवत ने कहा कि परिवार समाज की मूलभूत इकाई है, जो संस्कार से प्राप्त मजबूत पारिवारिक मूल्यों पर आधारित है। .

'जब दो शून्य मिलते हैं तो...', उद्धव और राज ठाकरे की नजदीकियों पर संजय निरुपम का तंज

महाराष्ट्र - "जब 2 शून्य मिलते हैं, तो कोई आंकड़ा नहीं बनता झ्र बस एक और शून्य जुड़ जाता है", इसी धारदार पंक्ति के साथ संजय निरुपम ने एक बार फिर उद्धव ठाकरे पर निशाना साधा है. महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल मचाते हुए शिवसेना (शिंदे गुट) के करीबी माने जाने वाले संजय निरुपम ने उद्धव ठाकरे के टठर के साथ संभावित गठजोड़ को लेकर तीखा तंज कसा है. निरुपम का कहना है कि उद्धव ठाकरे को अपने पैरों पर खड़ा होने के लिए कभी कांग्रेस का सहारा लेना पड़ता है, तो कभी मुस्लिम वोटों की राजनीति करनी पड़ती है, और अब उन्होंने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (टठर) के साथ गठजोड़ की दिशा में कदम बढ़ाया है. पर इसके लिए भी उन्हें सबसे पहले कांग्रेस की अनुमति लेनी होगी, क्योंकि वे अब कांग्रेस से पूछे बिना कोई निर्णय नहीं लेते. दोनों पार्टियां घाटे में चल रही हैं- निरुपम

निरुपम यहींनहीं रुके. उन्होंने उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे दोनों पर कटाक्ष करते हुए कहा, "दोनों घाटे में चल रही पार्टियां हैं।

राजनीतिक रूप से ये खत्म हो चुके हैं. अब महाराष्ट्र के हित की आड़ में ये केवल अपना राजनीतिक हित साधने की कोशिश कर रहे हैं." उनका स्पष्ट आरोप है कि जनता ने दोनों दलों को नकार दिया है और अब ये अपनी राजनीतिक जमीन बचाने के लिए एक-दूसरे का सहारा ढूंढ रहे हैं.

महाराष्ट्र की राजनीति में यह बयान ऐसे समय में आया है जब आगामी चुनावों को लेकर गठजोड़ और समीकरणों की चर्चाएं तेज हैं. उद्धव ठाकरे द्वारा टठर के लिए भेजे गए प्रस्ताव की खबर सामने आते ही, यह सवाल उठने लगे हैं कि क्या यह गठजोड़ वाकई महाराष्ट्र के हित में होगा या केवल राजनैतिक अस्तित्व की लड़ाई है?

राज्य में कानून का शासन है या बाहुबल का: बंबई उच्च न्यायालय

बंबई

अदालत 2016 में एक दंपति द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें सिडको को नवी मुंबई में उनकी जमीन पर दीपक पाटिल नामक व्यक्ति द्वारा बनाए गए अनधिकृत ढांचों को ध्वस्त करने का निर्देश देने की मांग की गई थी।

बंबई उच्च न्यायालय ने नवी मुंबई में एक भूखंड पर अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई करने में विफल रहने पर सरकार की नगर नियोजन एजेंसी सिडको को फटकार लगाते हुए पूछा कि राज्य में कानून का शासन है या बाहुबल का।

न्यायमूर्ति ए. एस. गडकरी और न्यायमूर्ति कमल की खंडपीठ ने इस

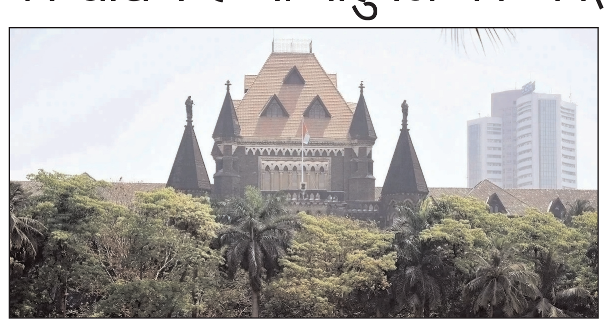

महीने की शुरूआत में पारित आदेश में कहा कि नगर एवं औद्योगिक विकास निगम (सिडको) के अधिकारी अनधिकृत निर्माण के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के इच्छुक नहीं हैं।

सिडको ने अदालत को बताया कि जब उन्होंने अवैध ढांचों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करने की कोशिश की तो बोकाडवीरा गांव के सरपंच ने उन्हें धमकी दी।

इस पर पीठ ने कहा कि अधिकारी अपने वैध कर्तव्यों का निर्वहन करते समय पर्याप्त पुलिस सुरक्षा पाने के हकदार हैं और अवैधताओं को रोकना तथा कानून का शासन स्थापित करना प्राधिकारियों का कर्तव्य है।

उच्च न्यायालय ने कहा, हम यह समझने में असफल हैं कि क्या हम ऐसे राज्य में रहते हैं जहां कानून का शासन है या बाहुबल का शासन है झ्र न्यायालय ने कहा कि बोकाडवीरा गांव के सरपंच द्वारा दी गई धमकियों को लोकतांत्रिक देश में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता, क्योंकि सिडको अधिकारी अपने वैध कर्तव्यों का पालन कर रहे हैं।

मुर्शिदाबाद दंगे केंद्र सरकार की विफलता, ईडी के जरिए विपक्ष पर साधा जा रहा निशाना: हरीश

देहरादून। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस को दिए एक विशेष साक्षात्कार में राज्य और राष्ट्रीय मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखी। उत्तराखंड में मलिन बस्तियों के नियमितीकरण, युवाओं में बेरोजगारी, देहरादून में जाम की समस्या, बंगाल हिंसा से लेकर रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ ईडी की जांच जैसे विविध विषयों पर उन्होंने वर्तमान सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए। रावत ने मौन व्रत और तप जैसे कदमों के जरिए जनता के मुद्दों को उठाने की बात कही, साथ ही केंद्र और राज्य सरकारों पर विफलता का आरोप लगाया।

सवाल- रिस्पना और बिंदाल के पास जो

लोग सालों से रह रहे हैं, राज्य सरकार उनको चिन्हित करके हटा रही है?

उत्तर- हमारी सरकार ने 2016 में राज्य में इन मलिन बस्तियों का नियमितीकरण का कानून विधानसभा में पारित कराया था जो सर्वसम्मति से पारित हुआ था। एक हजार के करीब लोगों को मालिकाना हक के पट्टे भी दिए थे, लेकिन इन्होंने यह सारी प्रक्रिया रोक दी और अब एलिवेटेड रोड या कभी किसी नाम से 14-15 साल से रह रहे लोगों को हटाने के लिए साजिश की जा रही है। उनके घरों को मार्क किया जा रहा है। आप बिना किसी वैकल्पिक आवास दिए हुए कैसे किसी के घर का अधिकार छीन सकते हैं? उनके पास 14-15 साल से बिजली और पानी के बिल भी हैं। आप उन्हें हटा रहे हैं। मैंने उनके लिए आज मौन व्रत रखा है और मैं मई और जून के महीने में इसे लेकर तप भी करूंगा।

सवाल- राज्य सरकार युवाओं को रोजगार देने की बात कर रही है, आप इसके लिए रोजगार यात्रा भी निकाल रहे हैं?

उत्तर- रोजगार हवा में है, लोगों तक तो पहुंचा नहीं है। नौजवानों में बड़ी बेचैनी है। इस समय आईपीएल में नौजवानों का ध्यान लगा हुआ है। वह सट्टेबाजी, टीम बनाने में व्यस्त हैं। लेकिन नौजवानों में रोजगार को लेकर काफी बेचैनी है।

सवाल- पूरे प्रदेश में जाम की भयावह स्थिति सामने आ रही है। आपने भी सोशल मीडिया के माध्यम से जाम को लेकर सरकार को आईना दिखाया है?

उत्तर- एक दिन में कुछ नहीं होता है। आपने जिस तरीके से डेवलप किया है, सड़क पर कितनी गाड़ियां आनी हैं, उसका आपके पास आकलन होना चाहिए और सड़क को आपको विस्तारित करना चाहिए।

बिहार को 'डबल इंजन' नहीं, एक ही 'पावरफुल इंजन' की जरूरत : मल्लिकार्जुन

बक्सर। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को एक रैली को संबोधित किया। उन्होंने राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा और जदयू को घेरते हुए भाजपा पर झूठ बोलने और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर बार-बार पाला बदलने का भी आरोप लगाया। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा और जदयू वाले 'डबल इंजन' की सरकार की बात करते हैं, लेकिन आज बिहार ह्यूमैन इंडेक्स के मामले में काफी नीचे है। उन्होंने कहा कि बिहार को 'डबल इंजन' नहीं, एक ही पावरफुल इंजन की जरूरत है, जो महागठबंधन का इंजन है। कांग्रेस नेता खड़गे ने

बिहार की एनडीए सरकार पर हमला करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री और नीतीश कुमार के बीच 'अवसरवादी' गठबंधन बिहार के लोगों के लिए अच्छा नहीं है।

उन्होंने कहा कि वक्फ (संशोधन) अधिनियम समुदायों के बीच विभाजन पैदा करने के लिए भाजपा-आरएसएस की साजिश है। उन्होंने नीतीश कुमार को निशाने पर लेते हुए कहा कि वह "इधर-उधर का खेल" खेलते रहते हैं। उन्होंने लोगों से आह्वान करते हुए कहा कि बिहार की प्रगति, उन्नति और यहां के शैक्षणिक स्तर में सुधार के लिए भाजपा को हटाएं, नीतीश कुमार को हटाएं। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नेता अब बिहार की जनता को बहका नहीं सकते हैं।

भाजपा की पूरी सरकार ही प्रोपेगेंडा पर चल रही : अखिलेश

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव रविवार को एक दिन के दौरे पर प्रयागराज पहुंचे। उन्होंने सत्ताधारी दल पर हमला बोलते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी के अंदर पूरी की पूरी सरकार ही प्रोपेगेंडा पर चल रही है।

अखिलेश यादव ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा, "भाजपा सरकार झूठे आंकड़े फैलाने और सच्चे आंकड़े छुपाने में माहिर है। ये लोग कुंभ के आयोजन में श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्था कम, उनके लिए इंतजाम कम लेकिन प्रचार में बहुत आगे रहे। कभी एक प्रोपेगेंडा मिनिस्टर हुआ करते थे, पर भारतीय जनता पार्टी के अंदर पूरी की पूरी सरकार ही प्रोपेगेंडा पर चल रही है।"

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने 100 करोड़ श्रद्धालुओं के इंतजाम का दावा किया, लेकिन हकीकत कुछ और है। महाकुंभ के पार्किंग, होल्डिंग एरिया, ट्रेन और बसों की संख्या पर

अध्ययन होना चाहिए।

सपा प्रमुख ने कहा कि सरकार ने अपने कुंभ के आयोजन को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया। श्रद्धालुओं के लिए कम व्यवस्था थी, लेकिन सरकार प्रचार में आगे रही। हमारे हर सुझाव को भाजपा आलोचना समझती थी। हर इवेंट को वे भाजपा का इवेंट बनाना चाहते हैं। वे "पॉलिटिकल कुंभ" बनाना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, "सच्चाई तो यह है कि धार्मिक उन्माद और जातियों का झगड़ा बढ़ाने का काम कोई कर रहा है तो भारतीय जनता पार्टी कर रही है। पीडीए (पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक) का प्लेटफॉर्म सभी समाज के लोगों को जोड़ने का प्लेटफॉर्म है। उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा एससी-एसटी के ऊपर अन्याय हो रहा है।"

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि दलित उत्पीड़न में उत्तर प्रदेश नंबर 1 है। उन्होंने जातीय आंकड़े देते हुए कहा, "आगरा में कुल पोस्टिंग हैं 48, पीडीए 15 बाकी सब सिंह भाई। मैनपुरी में 15 पोस्टिंग हैं, पीडीए तीन, सिंह भाई 10 हैं। प्रयागराज का भी इसी तरह का आंकड़ा होगा।" उन्होंने कहा कि दो चीजें हम लोगों को पता हैं, एक तो डीजीपी कार्यवाहक होगा, दूसरा सिंह होगा।

शराबी पति को बेटे संग मिलकर पत्नी ने उतारा मौत के घाट

अखण्ड भारत सन्देश

घटना के बाद जुटी ग्रामीणों की भीड़

मांडा। अक्सर पति पत्नी में शराब को लेकर आए दिन विवाद चलता रहा। जहां कि शराब छुड़ाने के चक्कर में अक्सर महिलाए ही यातनाएं झेलने को मजबूर हो जाती हैं। कुछ इसी तरह मांडा क्षेत्र के मड़ार गांव में एक पत्नी ने बेटे के साथ मिलकर अपने शराबी पति को ही लाठी डंडे से पीटकर निर्मम हत्या कर दी। जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी होने पर मांडा उप निरीक्षक माधव प्रसाद त्रिपाठी व दिघिया चौकी प्रभारी विक्की गुप्ता अपने पुलिस कर्मियों के साथ घटना स्थल पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए शहर भेज दिया।

गौरतलब हो कि मृतक की बेटी आराध्या ने मांडा थाने में तहरीर देकर बताया कि पारिवारिक कलह के कारण आए दिन पिता सियाराम पटेल पुत्र परमेश्वर पटेल उम्र(45) शराब पीकर मां ममता देवी तथा भाई अरुण कुमार से लड़ाई होती थी। इसी बीच सिया राम की पत्नी ममता देवी ने अपने बेटे अरुण कुमार के साथ मिलकर बीते शनिवार की रात लाठी डंडे से पिट दिया। जिससे सिर में गंभीर चोट लगने से मौके पर ही सिया राम की मौत हो गई। वहीं स्थानीय लोगों के सूचना पर पहुंचे मेजा एसीपी रवि कुमार गुप्ता तथा दिघिया पुलिस विक्की गुप्ता व मांडा थाने के उप निरीक्षक माधव प्रसाद त्रिपाठी अपने पुलिसकर्मियों के साथ मिलकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए शहर भेज दिया।

पड़ोसी की पिटाई के बाद फंदे पर लटकी मिली विवाहिता, हत्या का लगा आरोप

- पति ने लगाया हत्या का आरोप
- जांच में जुटी पुलिस
- अवैध संबंधों की रही चर्चा

अखंड भारत संदेश

महिला की मौत के बाद जुटी भीड़ व पूंछताछ करती पुलिस

झूंसी। थाना क्षेत्र के कोहना में रविवार की दोपहर बाद कमरे के अंदर चार बच्चों की मां फंदे से लटकती हुई मिली। मृतका के पति का आरोप है कि पड़ोस में रहने वाले युवक ने महिला की पिटाई के बाद अपनी बहन के साथ मिलकर फंदे पर लटका दिया सूचना पर पहुंची पुलिस में शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम किया भेजा। लोगो मे महिला और आरोपी के बीच अवैध सम्बंध की भी चर्चा रही।

कोहना निवासी मनोज निषाद की पत्नी रानी निषाद 35 रविवार की दोपहर बाद कमरे के अंदर फंदे पर लटकी हुई मिली। बेटी ने देखा तो शोर मचाया तो मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई रानी के शव को फंदे से नीचे उतारा गया काम पर गया रानी का पति मनोज भी घर आ गया और उसने पड़ोस के रहने वाले एक व्यक्ति पर अपनी पत्नी की हत्या का आरोप लगाया, उसने बताया कि पड़ोस में रहने वाला युवक आए दिन हमारे साथ मारपीट करता था और उसी ने आज हमारी पत्नी रानी को भी मारा पीटा था इसके बाद अपनी बहन के साथ मिलकर रानी को फंदे पर लटका कर मार डाला। मृतका के चार बच्चे हैं पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना प्रभारी उपेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि महिला और उसके बीच अवैध सम्बद्ध की बात सामने आई है,आरोपी को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ स्पस्ट हो पायेगा।

विधायक बारा बच्चों के लिए स्कूलों में लगवाएंगे वाटर कूलर

- छात्रों के हित में क्षेत्र के सभी विद्यालयों में लगाएं जाएंगे वॉटर कुलर - डॉ वाचस्पति

अखंड भारत संदेश

बारा। विधायक डॉ वाचस्पति ने अत्याधिक गर्मी को देखते हुए छात्रों के हित में क्षेत्र के सभी विद्यालयों के प्रबंधकों से अनुरोध किया और कहा कि अपनी निधि से हम अपनी विधानसभा के सभी विद्यालय में वॉटर कुलर लगाएंगे। जिससे कि बच्चों को पीने के लिए स्वच्छ और शीतल जल मिल सकें। विद्यालय के प्रबंधक अपने अपने लेटर पैड (विद्यालय का रजिस्ट्रेशन नंबर एवं नाम लिखा हो) शीघ्र ही हमे दे दें, जिससे अग्रिम करवाई हो सके। उक्त जानकारी देते हुए विधायक मीडिया प्रभारी नीरज केसरवानी ने बताया कि डॉ वाचस्पति जबसे बारा विधान सभा के विधायक बने है लगातार विकास कार्यों को लेकर सजग है, क्षेत्र के लोगों के माध्यम से जानकारी लेते हुए बीच बीच में जनता दर्शन का कार्यक्रम आयोजित करते है। जिससे कि लोगों की समस्याओं को दूर कर सके। उसी क्रम में शनिवार को उन्होंने छात्रों को शुद्ध स्वच्छ और शीतल जल मिल सकें इसके लिए यह फैसला लिया गया हैं।

सपा मुखिया शादी समारोह में पहुंच प्रदेश अध्यक्ष के पुत्री को दिया आशीर्वाद

अखंड भारत संदेश

पूर्व मुख्यमंत्री सपा मुखिया एवं समाजवादी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का स्वागत करते हुए

सहसों। पूर्व मुख्यमंत्री सपा मुखिया एवं समाजवादी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को सहसों स्थित छत्रपति शिवाजी गार्डेन एवं हिमांशु गेस्ट हाउस में सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल के पुत्री की शादी समारोह में पहुंचकर पुत्री रागिनी को शुभकामना के साथ अपना आशीर्वाद दिया। इस दौरान सपा मुखिया को देखने कार्यकताओं का जो उमर पड़ा। परंतु पूर्व मुख्यमंत्री ने विवाह स्थल पर पहुंचकर कार से उतरे और वर वधू को आशीर्वाद देने के लिए चले गए। वहां पर पारिवारी जनो एवं आदि प्रमुख लोगों से मिलकर हाल-चाल जाना। सूक्ष्म जलपान के पश्चात सभा मुखिया कार में बैठकर वापस चले गए। सपा मुखिया के पहुंचते ही प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल सहित भारी संख्या पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकताओं में जोरदार स्वागत करते उनके पक्ष में जिंदाबाद के नारे लगाए। इस मौके पर विधायक विजमा यादव, जिला अध्यक्ष अनिल यादव, प्रदेश सचिव अरविंद केसरवानी, सुरेश यादव, अनीता श्रीवास्तव, महानगर अध्यक्ष सैयद इफ्तेखार हुसैन, जमुनापार अध्यक्ष पप्पू लाल निषाद, मीडिया प्रभारी दान बहादुर मधुर सहित भारी संख्या में सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

छोटी सी बच्ची को अखिलेश ने दिया 51 हजार की भेंट

झूंसी। सपा प्रमुख पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव रविवार को प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल की बेटी की शादी में सारिख होने के लिए सहसो स्थित गेस्ट हाउस जा रहे थे, रास्ते में झूंसी के शेरडीह में कार्यकर्ता विकास यादव के घर पर भी रुक कर उनकी माता का हाल जाना इस दौरान वहा मौजूद विकास की दो वर्षीय भतीजी के सर पर प्यार से हाथ फेरते हुए 51 हजार की उसे भेंट भी दी। जानकारी देते हुए विकास यादव ने बताया कि हमारी माँ की तभियत खराब चल रही है जिसकी जानकारी होने पर वो अखिलेश यादव हमारे घर आये। बतादे की लौटते वक्त अखिलेश यादव कार्यकताओं से मिलना नहीं भूले, काफी संख्या में सपा कार्यकर्ता पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के स्वागत के लिए झूंसी में खड़े थे पर वह शादी में पहुंचने की जल्दी की वजह से नहीं रुक पाए लेकिन लौटते वक्त वह कार्यकताओं से मुलाकात की आवास विकास कॉलोनी स्थित सपा कार्यकर्ता देव बोस के आवास पर पहुंचे जहाँ पर जगदीश यादव, अरविंद राय, पंकज पटेल सहित दर्जनों कार्यकताओं ने उनका भव्य स्वागत किया।

जमीनी रंजिश में गालियां देते हुए मारा पीटा व शटर तोड़ा मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। जमीनी रंजिश को लेकर पड़ोसी ने मारा पीटा और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम गमारहटा निवासनीय ऑचल सरोज पत्नी उमेश चन्द्र का आरोप है कि जमीनी रंजिश को लेकर पडोसी पहले से खुन्नस खाए हुए थे। ऑचल सरोज का आरोप है कि जब वह घर पर झाडू लगा रही थी तो विपक्षी गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी देते हुए उसे मारे पीटे। ऑचल सरोज ने मऊआइमा थाने में मनोज कुमार, राजेश कुमार, विजय कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दी है।

वन विभाग नही सुलझा सका अपना आज तक नाली विवाद

- शिकायती पत्र देने के बावजूद वन विभाग अपनी भूमि पैमाइस कराने में विफल

अखंड भारत संदेश

बारा। बारा तहसील अंतर्गत लोहगरा मौजा में 80 बीघा वन विभाग की जमीन भू लेख में दर्ज है।बगल के किसान खाली पड़ी जमीन को निरंतर कब्जा करते चले जा रहे है। वही अकौलिया नाले से निकलने वाले पानी को निजी किसान ने 500 मीटर वन विभाग की जमीन खुद से खुदाई करके नाली बना लिया। जिसकी लिखित शिकायत लोहगरा निवासी समाज सेवी सोनू दुबे ने एस डी एम बारा से लेकर वन विभाग के उच्च अधिकारियों से की थी। शंकरगढ़ रेंजर ने स्वंय स्थलीय निरीक्षण करते हुए जमीन पैमाइस से लेकर नाली बन्द करने की बात कही थी।

महीनों बीत जाने के बाद आज तक न ही नाली वन विभाग बन्द करवाया न ही अपनी जमीन की पैमाइस करा सका।इससे साफ जाहिर होता है कि सरकारी वन विभाग की जमीन शंकरगढ़ वन रेंज में बैठे अधिकारी विफल है।

दरवाजे पर सांप फेंके जाने से मना करने मारा पीटा दो के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। मऊआइमा के एक गांव में एक महिला के दरवाजे पर विपक्षी द्वारा सांप फेकने से मना करने पर मारा पीटा गया तथा जाति सूचक गलियों से नवाजा गया।महिला ने दो के खिलाफ एस सी एस टी एक्ट में मुकदमा दर्ज करा दिया है।

मऊआइमा के मलखान पुर गांव निवासनीय उमा देवी पत्नी धर्मराज का कथन है कि उसके दरवाजे पर दो शराबी युवक एक सर्प लाकर फेंक दिए। आरोप है कि जब उसकी पुत्री सरिता देवी ने मना किए तो उसे मारा पीटा गया तथा जान से मारने की धमकी देते हुए जाति सूचक गालियां दी गई।उमा देवी ने मऊआइमा थाने में शक्तिमान, बबलू पुत्रगण सुलेमान के खिलाफ एससी एसटी एक्ट आदि धाराओ में मुकदमा दर्ज करा दिया है।

जसरा में सदस्य ग्राम पंचायत व सदस्य क्षेत्र पंचायत सदस्य के उप निर्वाचन हेतु नामांकन प्रक्रिया शुरू

अखंड भारत संदेश

जसरा। त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन 2020 में सदस्य ग्राम पंचायत व सदस्य क्षेत्र पंचायत सदस्य चुनाव में विकास खंड जसरा में उप निर्वाचन दो ग्राम पंचायतों के रिक्त पदों पर कराया जा रहा है। जिसमें नामांकन प्रक्रिया रविवार को शुरू हो गई है। ग्राम पंचायत सेमरा कल्बना में वार्ड संख्या 15 में एक ग्राम पंचायत सदस्य का पद रिक्त होने के कारण निर्वाचन प्रक्रिया के तहत एक प्रपत्र संजीशा देवी पत्नी देवेश कुमार अनुसूचित जाति महिला सीट पर नामांकन कराया गया है। वहीं ग्राम पंचायत तातारगंज में वार्ड संख्या 40 में क्षेत्र पंचायत सदस्य अविनाश सिंह की मृत्यु हो जाने पर वहां पर भी चुनाव होना तय है। जिसके लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है।

विकास खंड जसरा के निर्वाचन अधिकारी/जिला ग्रामोद्योग अधिकारी प्रयागराज जवाहर लाल ने बताया कि शनिवार से निर्वाचन की प्रक्रिया शुरू की गई है। रविवार के दिन अवकाश होने के कारण सेमरा कल्बना से एक ग्राम पंचायत सदस्य का नामांकन ही कराया गया है। निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि एक व्यक्ति अधिकतम चार निर्देशन पत्र प्रस्तुत कर सकता है। नामांकन पत्रों की बिक्री प्रतिदिन पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक की जाएगी। परन्तु नामांकन के अंतिम दिनांक को नामांकन पत्रों की बिक्री पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न 1 बजे तक की जाएगी। बताया गया कि नाम निर्देशन का मूल्य क्षेत्र पंचायत सदस्य के लिए तीन सौ रुपए व ग्राम पंचायत सदस्य के उम्मीदवार के लिए एक सौ पचास रुपए जमा करने होंगे। यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ावर्ग अथवा महिला वर्ग से है तो उन्हें नाम निर्देशन पत्र तथा जमानत की निर्धारित धनराशि की आधी धनराशि देनी होगी। सहायक निर्वाचन अधिकारी जसरा राजेश कुमार शर्मा ने बताया कि नामांकन प्रक्रिया 19 अप्रैल से 22 अप्रैल तक होगी। नाम निर्देशन पत्र को जमा करने की अन्तिम तिथि 22 अप्रैल पूर्वाह्न 10 बजे से अपराह्न चार बजे तक किया जाएगा। 23 अप्रैल 2025 को नाम निर्देशन पत्रों की जांच,24 अप्रैल 2025 को पूर्वाह्न 10 बजे से अपराह्न तीन बजे तक उम्मीदवारी वापस लेने, चुनाव चिन्ह आवंटन 24 अप्रैल को अपराह्न तीन बजे से कार्य की समाप्ति तक, मतदान 2 मई को प्रातः 7 बजे से सायं पांच बजे तक व मतगणना 5 मई प्रातः बजे से कार्य की समाप्ति तक किया जाएगा।

बोलेरो की टक्कर से पांच लोग गंभीर रूप से घायल

जारी। कौधियारा थाना क्षेत्र के अंतर्गत रविवार को शाम 4 बजे चाकघाट की ओर से तेज रफ्तार में आ रही बोलेरो कार सवार ने दो अलग-अलग जगह टक्कर मार कर पांच लोगों को गंभीर रूप से घायल कर दिया है मैदा मोड पर निपवेंद्र सिंह पुत्र कमलाकर सिंह उम्र 48 वर्ष, वीरेंद्र प्रताप सिंह जग प्रताप सिंह उम्र 56 वर्ष, निवासी सुरबल साहनी नारीबारी शंकरगढ़ बोलेरो सवार ने दूसरी घटना जारी बाजार करछना रोड मोड पर बाइक सवार सतीश कुमार केसरवानी 35 वर्ष सुनीता देवी 32 वर्ष ,वर्षा केशरवानी 7 वर्ष निवासी रेही बैजला बारा को बोलेरो सवार ने टक्कर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया है। सूचना पर पहुंची पुलिस वाहन व चालक को कब्जे में लेकर घायलों को इलाज के लिए भेजकर जांच पड़ताल शुरू किया।

सजा दो घर में गुलशन सा अवध में श्रीराम आयें हैं : राजन जी महाराज

कथा सुनने को उमड़ी भक्तों की भारी भीड़

जंघई। पूज्य श्री मठिया महावीर हनुमान जी श्रीपुर, गड़ौरा मेला मैदान प्रांगण में आयोजित संगीतमय श्रीराम कथा में सुविख्यात कथावाचक पूज्य राजन जी महाराज के मुखारविंद से दिव्य और भव्य श्रीराम कथा का समापन दिवस रविवार को अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और भावपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। पूज्य राजन जी महाराज की सुमधुर वाणी और आध्यात्मिक दृष्टिकोण से युक्त प्रवचन ने संपूर्ण श्रद्धालु जनों के हृदय को श्रीराम मय कर दिया।महाराज ने कथा में भगवान श्रीराम के राज्याभिषेक एवं मयार्दा पुरूषोत्तम भगवान श्री राम के चरित्र चित्रण व जीवनी का वर्णन कर भगवान श्रीराम के जीवन के आदर्श व गुणों को अपने जीवन में उतारने का आह्वान किया।नौ दिवसीय श्रीराम कथा में हजारों की संख्या में आसपास जिले के हजारों ग्रामीण क्षेत्र के बड़े बुजुर्ग, माताएं-बहनें व युवा उपस्थित रहे पूरा क्षेत्र भक्ति रस में सराबोर रहा। महाराज ने कथा के विविध प्रसंगों का वर्णन करते हुए रामराज्य के बारे में बताया तथा राम के उपदेशों को आत्मसात करने के लिए लोगों को प्रेरित किया। अंतिम दिन की कथा में सीता हरण, लंका दहन, राम-रावण युद्ध, विभीषण का राज्याभिषेक सहित राजा राम के राज तिलक प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया। महाराज ने कहा कि रामकथा हमें जीवन जीने के तरीका सिखाती है दूसरों की सम्पत्ति चाहे कितनी भी मूल्यवान हो उस पर हमारा कोई अधिकार नहीं है। चौदह वर्ष वनवास पूर्ण करने के बाद भगवान श्रीराम जब वापस अयोध्या पहुंचे तो अयोध्यावासी खुशियों से झूम उठे और पुष्प वर्षा करते हुए दीपोत्सव मनाया। महाराज ने कहा कि रामायण हमें आदर, सेवा भाव, त्याग व बलिदान के साथ दूसरों की सम्पत्ति पर हमारा कोई अधिकार नहीं है ऐसा सिखाती है। आधुनिकता से दूर रहते हुए संगठित शक्ति के द्वारा ही समाज में व्याप्त बुराइयों को दूर किया जा सकता है हर राम भक्त का दायित्व है कि पुनीत कार्य में अपना सहयोग प्रदान करें यह राम कार्य है। बुराई और असत्य ज्यादा समय तक नहीं चलता अंततः अच्छाई और सत्य की विजय होती है अधर्म पर धर्म की जीत हमेशा होती आई है कथा के पश्चात आरती प्रसाद वितरण किया गया कथा पंडाल में हजारों श्रोतागण भाव-विभोर होकर झूम रहे थे। इस अवसर पर प्रमुख यजमान अर्पित सिंह, दिनेश पांडेय एवं सहयोगियों में संजीव पांडेय, रोहित चौरसिया, पंकज सिंह, ऋषभ सिंह, अखिलेश मिश्रा, दिवाकर सिंह, संजय सिंह, शिवम पांडेय, रजनीश सिंह, योगेश प्रताप सिंह, राधे मोहन पांडेय, सौरभ पांडेय, विकास पांडेय इलाहाबादी, राकेश पांडेय, विकास दुबे, विकास शुक्ल, आलोक सिंह, गौरव राजपूत, सचिन सिंह, अवनीश प्रताप सिंह, हिमांशु सिंह सहित हजारों श्रोतागण मौजूद रहे।

मऊआइमा पुलिस ने एक वारंटी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

पुलिस गिरफ्त में वारंटी

मऊआइमा। न्यायालय से जारी वारंट पर मऊआइमा थाना के सब इंस्पेक्टर रामानुजन, रवि प्रताप ने ग्राम भाले का वन धरौता निवासी शिवकुमार सिंह पुत्र बुद्धराम सिंह को घर से दबोच कर न्यायालय के लिए चालान भेज दिया है।

सच्चाई छिपाने और झूठ फैलाने में माहिर है भाजपा : सपा मुखिया

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि सच्चाई छिपाने और झूठ फैलाने में भाजपा माहिर है। महाकुंभ में भी कुछ इसी तरह का खेल किया गया। सीएम योगी ने इंटरव्यू में दावा किया था कि महाकुंभ में 100 करोड़ लोगों की व्यवस्था की गई है, जो पूरी तरह से हवा हवाई साबित हुई है। सपा मुखिया ने कहा कि पहले किसी सरकार में कोई एक मंत्री प्रोपेगेंडा करता था, लेकिन आज पूरी भाजपा सरकार ही प्रोपेगेंडा पर चल रही है। यह सरकार तीस मार खां है। हर आंकड़े में 30 आता है। अखिलेश यादव रविवार को सिविल लाइंस में स्थित एक होटल में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। वह सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल के यहां आयोजित मांगलिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचे हैं। पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा कि महाकुंभ के आयोजन को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया। श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्था और इंतजाम कम थे, लेकिन प्रचार में बहुत आगे रहे। प्रयागराज के महाकुंभ के दौरान सोशल मीडिया के माध्यम से सरकार को सुझाव दिया। हमारी तरह से जो भी सुझाव सोशल मीडिया के माध्यम से आता था, भाजपा उसको आलोचना समझती थी। कहा कि सपा ने 2013 का महाकुंभ सफलता पूर्वक कराया था। इसके अनुभवों के आधार पर हम लगातार सरकार को सुझाव देते रहे, लेकिन भाजपा सरकार इसे आलोचना मानकर इसको नजरअंदाज करती रही।कहा कि भाजपा के अंदर अहंकार इतना है कि अच्छी सलाह को भी बुरा मानते हैं। जिस तरह से 2025 के महाकुंभ। भाजपा के अंदर इतनी नकारात्मकता है कि अच्छी राय को भी गलत मानते हैं। भाजपा की ओर से महाकुंभ में जो आंकड़े बताए जा रहे थे सब हवा हवाई थे। इस पर स्टडी हो सकती है।

अखिलेश यादव ने कहा कि महाकुंभ में मौनी अमावस्या पर मारे गए लोगों को सरकार मुआवजा नहीं देना चाहती है। इसलिए गलत आंकड़े पेश करके सच्चाई को छिपा रही है। सीएम ने एक पीड़ित को भी मंच पर बुलाया, जिसने बताया कि उसके परिजन महाकुंभ में मारे गए लेकिन सरकार मुआवजा देने में आना कान कर रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि यह सिर्फ एक कहानी है। इनकी तरह हजारों लोग मुआवजा और न्याय के लिए भटक रहे हैं। कहा कि महाकुंभ की व्यवस्था फेल होने का कारण खुद मुख्यमंत्री योग आदित्यनाथ हैं।यह हर इवेंट को बीजेपी का इवेंट बनाना चाहते हैं। योगी की पूरी तैयारी थी कि महाकुंभ में उनका नाम भी प्रधानमंत्री पद के लिए घोषित हो जाए। कहा कि अगर भाजपा 400 के पार सीट जीत जाती तो सड़कों पर भाजपा लोग तलवार लेकर सड़क पर उतर जाते। केशव पर तंज कसते हुए कहा कि उनको यहां कुर्सी नहीं मिलनी है। उनके लिए मैने शहर में एक चौराहा चिन्हित किया है। योगी सरकार पर तंज कसते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि सीएम योगी को हाता भी नहीं भाता। पत्रकार अब सच्ची खबर चलाएंगे तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई कर देंगे।

मंत्री नंदी पर कसा तंज

कहा कि सीएम योगी को तीस मार खां बनाने में मंत्री नंदी का भी योगदान है। एक आदमी से तीस करोड़ का कारोबार करा दे रहे हैं। इनकी खुद की जेब भर जाए तो समझ लीजिए कि औद्योगिक विकास हो गया। कहा कि नंदी चाहे जितनी डुबकी लगा लें उनका पाप धुलने वाला नहीं है। कहा कि यह भू माफिया हैं। भाजपा को अपने भू माफियाओं की सूची तैयार करनी चाहिए।

इतिहास को इतिहास ही रहने दें, धर्म पर टिप्पणी न करें

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने पार्टी के नेतओं को नसीहत दी कि किसी भी इतिहास के बारे में चर्चा न करें। इतिहास को इतिहास ही रहने थे। किसी के धर्म पर भी कोई टिप्पणी न करें। इस तरह से अपनी बात रखें को दूसरे धर्म के लोगों को गुस्सा न आए।

माफिया के गनर को हटाकर पत्रकारों को दे देंगे

अखिलेश यादव ने पत्रकारों की सुरक्षा के सवाल पर कहा कि जिन माफिया के पास पचास-पचास गनर हैं, उनके यहां से गनरों को हटाकर पत्रकारों को एक-एक गनर उपलब्ध करा देंगे।

भाजपा में सिर्फ सर्टिफिकेट वाले सांसद

लोकसभा चुनाव में भाजपा ने शासन सत्ता के बल पर चुनाव जीतने का कार्य किया। चुनाव सपा के प्रत्याशी जीते लेकिन गड़बड़ी कराकर भाजपा प्रत्याशी को जिता दिया गया। भाजपा में सर्टिफिकेट वाले सांसद अधिक हैं, जबकि सपा में जनता के द्वारा चुने गए सांसद हैं। जनता ने सपा को वोट दिया लेकिन शासन प्रशासन ने भाजपा को जिताने का कार्य किया।

2027 में भी जारी रहेगा इंडिया गठबंधन

एक सवाल के जवाब में सपा मुखिया ने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन जारी रहेगा। हम लोग मिलकर चुनाव लड़ेंगे।

पश्चिम बंगाल ने दंगा का पीछे भाजपा का हाथ

अखिलेश यादव ने कहा कि पश्चिम बंगाल में दंगा कराने और हिंसा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। कहा कि दंगा कराने के पीछे किसी का हाथ होता है तो वह भाजपा का ही होता है। भाजपा के लोग यूपी के भी कई जिलों में इस तरह का दंगा करा चुके हैं। भाजपा के लोग समाज में शांति नहीं चाहते। कुंभ में 144 साल का भ्रम फैलाया गया। थानों में एसओ और एसएचओ के ज्यादातर पदों पर सिंह लोगों का दबदबा है। पीडीए समाज से जुड़े लोगों की संख्या काफी कम है।

नीट की तैयारी करने वाली छात्रा का शव फंदे से लटकता मिला

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। बिजनौर डीएम कार्यालय में कार्यरत एक कर्मी की बेटी ने शनिवार को किराये के कमरे में फंदे से लटक कर जान दे दी। वह अपनी बड़ी बहन के साथ आबकारी चौराहा, न्यू मम्फोर्डगंज में रहकर नीट की कोचिंग करती थी। बड़ी बहन ने बताया कि कोचिंग में होने वाली टेस्ट में कम नंबर आने से उनकी बहन परेशान रहती थी। उधर, बहन की सूचना पर पहुंची कर्नलगंज पूछताछ कर शव को पोस्टमार्टम हाउस भिजवा दिया। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।सुखबीर सैनी मूलरूप से बिजनौर के नगर कोतवाली क्षेत्र के साकेत कालोनी के रहने वाले हैं। वह बिजनौर डीए कार्यालय में चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी हैं। प्रिंसी सैनी (18) उनकी तीन बेटियों में दूसरे नंबर की थी। घर में पिता के साथ मां बृजेश देवी, छोटी बहन और एक भाई रहता है। प्रिंसी की बड़ी बहन राखी ने बताया कि वह आबकारी चौराहा न्यू मम्फोर्डगंज में करीब ढ़ाई साल से किराये का कमरा लेकर सिविल की तैयारी कर रही हैं।करीब सवा साल से उनकी दूसरे नंबर की बहन प्रिंसी भी उनके पास रहकर नीट की कोचिंग कर रही थी। साथ ही गांव से 12 वीं कक्षा की पढ़ाई भी कर रही थी। उन्होंने बताया कि शनिवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे वह सब्जी लेने कमरे से बाहर गई थी और उनकी बहन कमरे में थी। करीब 20 मिनट बाद जब वह सब्जी लेकर लौटी तो कमरे का दरवाजा बंद था। कई बार दरवाजा खटखटाते हुए उन्होंने प्रिंसी को बुलाया, लेकिन कोई जवाब नहीं आया। इसके बाद वह आस-पास के लोगों को बुलाकर दरवाजा तोड़वाया तो अंदर का नजारा देखकर उनके मुंह से चीख निकल गई। उनकी बहन पंखे के सहारे दुपट्टे से लटकी थी। आनन-फानन में लोगों की मदद से उसे तुरंत फंदे से उतरवाकर एसआरएन अस्पताल लेकर, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

नीलगाय की टक्कर से घायल दम्पत्ति की इलाज के दौरान मौत

प्रयागराज। करछना थाना क्षेत्र धरवारा गांव के मजरा खेक्सा गांव के समीप नीलगाय की टक्कर से दंपति लोग गंभीर रूप से शनिवार दोपहर में जख्मी हो गए।जिससे परिजनों में कोहरा मच गया। कौंधियारा थाना क्षेत्र के गढ़वा कलां गांव निवासी रहे स्व मसुरिया दीन गुप्ता पत्नी पुष्पा देवी के साथ दो पहिया वाहन से कोरांव के घिसकाही गांव में एक शादी समारोह में जा रहे थे। प्रत्यक्ष दर्शियों के मुताबिक करछना -कोहडार घाट राजमार्ग पर खेक्सा गांव के समीप दोपहर में नीलगायों का झुंड टूट पड़ा।जिससे दम्पति लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।लोगों की ओर से दोनों को पास के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया।जहां स्थिति को गंभीर देखते हुए राम गरीब को शहर के लिए रेफर कर दिया गया।जहां पर परिजनों की ओर से शहर ले जाते समय रास्ते में ही राम गरीब ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया।जिसे पुलिस ने यश आर्यन हॉस्पिटल में भेज दिया।जिसमें रविवार को शव घर आते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पत्नी व माता का रो-रो कर बुरा हाल रहा। मृत्यु के दो पुत्र अवधेश व बृजेश दोनों बाहर रहते हैं।उनके आने के बाद मृतक का देर रात तक संस्कार कर दिया गया।

सोशल मीडिया पोस्ट लाइक करना अपराध नहीं : हाईकोर्ट

● इलाहाबाद हाईकोर्ट बोला- अश्लील फोटो या वीडियो शेयर करना जुर्म

प्रयागराज। सोशल मीडिया पोस्ट को शेयर करना और लाइक करना अलग-अलग मामला है। भड़काऊ पोस्ट को लाइक करना नहीं, शेयर करना अपराध है। इस पर सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2008 की धारा 67 लागू नहीं होती। क्ळ एक्ट के तहत केवल अश्लील तस्वीर या वीडियो का प्रसारण ही अपराध के दायरे में आता है।

यह टिप्पणी इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस सौरभ श्रीवास्तव ने एक मामले की सुनवाई के दौरान की। जज ने CJM आगरा की अदालत में इमरान के खिलाफ लंबित आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया।आगरा के मंटोला थाना क्षेत्र के इमरान पर चौधरी फरहान उस्मान नाम की क्ळ से फेसबुक पर प्रसारित एक पोस्ट को लाइक करने का आरोप है। उस पोस्ट में विरोध-प्रदर्शन और राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपने के लिए आगरा कलेक्ट्रेट पर लोगों को बुलाने की अपील की गई थी। इस पोस्ट के बाद एक समुदाय विशेष के करीब 600-700 लोगों ने बिना इजाजत जुलूस निकाला था। इससे शांति व्यवस्था भंग हुई थी। पुलिस ने उस पोस्ट को भड़काऊ माना।

पुलिस ने खुद इमरान पर FIR दर्ज की थी

पुलिस ने खुद संज्ञान लेते हुए इमरान के खिलाफ IT एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोप पत्र ट्रायल कोर्ट में दाखिल किया था। इमरान पर आरोप था कि उसने सोशल मीडिया पर भड़काऊ संदेश पोस्ट किए, जिससे लगभग 600-700 लोगों की भीड़ बिना अनुमति के जुट गई।

कोर्ट ने इमरान को बतौर आरोपी तलब किया था। इमरान ने अर्जी दाखिल कर मामले के आरोप पत्र, संज्ञान आदेश और मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट आगरा के समक्ष लंबित आपराधिक वाद को रद्द करने की मांग की थी।

गुलगुला बेब सीरीज की सूटिंग के लिए मेजा के कठौली गांव पहुंचे कलाकार

अखंड भारत संदेश

मेजा। गुलगुला वेब सीरीज की कहानी वर्ष 2015 में शुरू होती है। आज का प्रयागराज जिसे उस समय इलाहाबाद के नाम से जाना जाता था, इसी इलाहाबाद के एक सुदूर गांव 'गुलगुला' के ही एक 'जनता जूनियर हाई स्कूल' में सत्य प्रकाश श्रीवास्तव मास्टर पढ़ाया करते थे और 2010 में एक बाइक एक्सीडेंट में उनकी आकस्मिक मृत्यु हो जाती है, उसके बाद उनका परिवार अपने पैतृक निवास दारागंज इलाहाबाद में शिफ्ट हो जाता है बड़ा पुत्र आकाश श्रीवास्तव जिसे सब प्यार से बबलू कहते हैं वह यूपीएससी की तैयारी कर रहा है और इसी दरमियान उसका रिश्ता 'हंडिया' के एक परिवार में उर्वी से हो जाता है। विवाह की एक शर्त में उलझ कर बबलू अपने पिता की जगह मृतक आश्रित के रूप में 'जनता जूनियर हाई स्कूल' गुलगुला में मास्टर की नौकरी के लिए आता है, पर उसकी आशा से विपरीत उसे जिन-जिन परिस्थितियों से गुजरना पड़ता है उससे इस वेब सीरीज 'गुलगुला' की कहानी में मार्मिक, हास्य एवं संवेदनात्मक दृश्य समाहित होते हैं। पहले मैनेजमेंट स्कूलों में किस तरह की धांधली होती थी ये शायद पहली बार उजागर होगा । इस वेबसेरीज की कहानी एक वास्तविक घटना से प्रेरित है। एक नएपन का चित्रण इस वेब सीरीज गुलगुला की कहानी का मुख्य आधार है। इस वेब सीरीज को गौरांग प्रोडक्शं एवं दीप सीने प्रोडक्शंस के बैनर तले निर्मित किया जा रहा है। गौरांग प्रोडक्शंस, प्रोडक्शन हाउस एवं पोस्ट प्रोडक्शन हाउस, जो की लगभग 20 वर्षों से फिल्म निर्माण क्षेत्र से जुड़े हुए हैं तथा पहले भी विभिन्न धारावाहिकों का निर्माण एवं प्रतिष्ठित फिल्म हाउस के साथ संपादन कर चुके हैं। राजेश श्रीवास्तव एवं राजेश सिंह ठाकुर इस गुलगुला वेब सीरीज के निमार्ता है, राजेश श्रीवास्तव इस वेब सीरीज की कहानी, पटकथा एवं संवाद के लेखक भी हैं। करनजीत सलूजा सीरीज के निर्देशक हैं।मुख्य भूमिकाओं में विनीत कुमार, भगवान तिवारी, विजेंद्र काला, इश्तियाक खान, शशि वर्मा, आत्म प्रकाश मिश्रा, अंजलि कृष्णा, आलोक श्रीवास्तव, सतीश बादल, प्रीतम जायसवाल, अमित मौर्य एवं अशोक पाठक आदि हैं।

इस गुलगुला वेब सीरीज का फिल्मांकन प्रयागराज के विभिन्न क्षेत्र में मार्च 2025 के प्रथम सप्ताह से किया जा रहा है, जिसमें ज्यादातर फिल्म का हिस्सा मेजा रोड पर स्थित कठौली ग्राम में फिल्माया जा रहा है। खुशी इस बात की है कि इस क्षेत्र के लोगों का भरपूर सहयोग प्राप्त हो रहा है और टीम के साथ जुड़े स्थानीय लाइन प्रोड्यूसर, अरविंद पांडे, सचिन पांडे एवं आकाश शर्मा का कार्य सराहनीय है। हमारा पूरा प्रयास होगा कि हर वर्ग इस वेबसेरीज को देखे और सराहे ।

ग्राम पंचायत सदस्य का उप चुनाव 2 मई को, नामांकन 22 को

मेजा। त्रिस्तरीय पंचायत उप निर्वाचन चुनाव आगामी 2 मई को होगा। उप चुनाव के लिए ब्लाक मेजा, मांडा व उरुवा के कुल 10 पंचायत सदस्यों के वैधानिक रूप से रिक्त पदों के लिए चुनाव होगा। मेजा ब्लाक से 8 और मांडा व उरुवा क्षेत्र से एक-एक सदस्यों का उपचुनाव होगा। मेजा ब्लाक के तेंदुआ कला, गेदुराही से 2, दरी, मदरहा, शाहपुर से 2 और चपरतला से एक पद रिक्त है। वहीं ब्लाक मांडा से हड़िया और उरुवा ब्लाक के समहन गांव के एक एक रिक्त पदों के लिए उप चुनाव होगा। यह जानकारी ब्लाक मेजा के सहायक निर्वाचन अधिकारी एडीओ (समाज कल्याण) सुशांतु पांडेय ने देते हुए बताया कि सूचना सार्वजनिक होने के बाद से ही नामांकन पत्रों की बिक्री शुरू हो जाएगी। नामांकन की अंतिम तारीख 22 अप्रैल हैं। 23 अप्रैल को जांच, 24 अप्रैल को नाम वापसी और उसी दिन प्रत्याशियों को प्रतीक चिन्ह भी वितरित किए जायेंगे। 2 मई को चुनाव और 5 मई को मतगणना होगी।

चांद खमरिया में जंपिंग के दौरान पैर की नस फटने से घायल हिरन की अस्पताल पहुंचने के पूर्व रास्ते में हुई मौत

● सूचना मिलने पर वन कर्मियों की टीम के साथ मौके पर पहुंचे वन क्षेत्राधिकारी अजय कुमार सिंह ने पीएम के बाद पूरे सम्मान के साथ मृतक हिरन के शव का मेजा में किया अंतिम संस्कार

अखंड भारत संदेश

मेजा। मेजा तहसील क्षेत्र के चांद खमरिया के महुली कला में एक काले हिरन की मौत हो गई। चिकित्सकों के मुताबिक जंपिंग करने से हिरन के एक पैर की नस फट गई थी। जिसके कारण उसकी मौत हो गई। हालांकि सूचना पर मौके पर पहुंची मेजा वन विभाग की टीम द्वारा तत्काल काले हिरन के शव को मेजा रेंज ऑफिस लाया गया। जहां तीन पशु चिकित्सकों के पैनल द्वारा शव का पोस्टमार्टम किया गया और पूरे सम्मान के साथ हिरन के शव का मेजा रेंज ऑफिस के समीप पहाड़ पर अंतिम संस्कार किया गया।

उल्लेखनीय है कि चांद खमरिया और महुली कला में करीब साढ़े छह सौ की संख्या में काले हिरन हैं। जो प्रायः झुंड बनाकर रहते हैं। वहां पर मृग क्षेत्र बनाया गया है। वन विभाग का दावा है कि वहां पर काले हिरनों की सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम किया गया है। शुक्रवार रात में चांद खमरिया के महुली कला में एक काला हिरन घायल अवस्था पड़ा मिला तो ग्रामीणों ने वन विभाग के कर्मचारियों को सूचना दिया।

सूचना पर मौके पर वन क्षेत्राधिकारी मेजा अजय सिंह कर्मचारियों के साथ पहुंचकर घायल काले हिरन को लेकर अस्पताल आ रहे थे कि रास्ते में वह दम तोड़ दिया। तत्पश्चात पोस्टमार्टम के बाद हिरन के शव का ससम्मान अंतिम संस्कार किया गया। इस संबंध में वन क्षेत्राधिकारी अजय कुमार सिंह ने बताया कि चांद खमरिया में काले हिरनों की सुरक्षा और देखरेख का पुख्ता इंजताम किया गया है। इस कार्य के लिए आधा दर्जन वन कर्मचारियों को लगाया गया है और जिस हिरन की मौत हुई है चिकित्सकों ने बताया कि जंपिंग करने से उसके पिछले एक पैर की नस फट गई थी जिसके वजह से उसकी मौत हुई है। मृतक हिरन के शव का ससम्मान के अंतिम संस्कार कर दिया गया है।

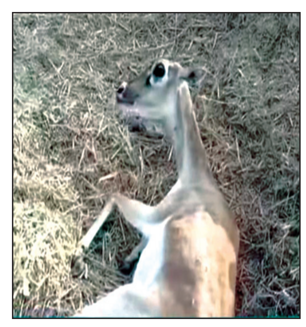

कांग्रेस पार्टी द्वारा चलाया गया संगठन सृजन अभियान

सहसों। कांग्रेस पार्टी के गंगापार जिला अध्यक्ष अशफाक अहमद के नेतृत्व में संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत बहादुरपुर ब्लॉक के बेरी पट्टीसाल में कांग्रेस पार्टी के निवर्तमान पदाधिकारी एवं कांग्रेस कार्यकताओं की एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें जिला अध्यक्ष अशफाक अहमद ने पार्टी कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज देश में चारों ओर अराजकता, महंगाई, बेरोजगारी से जनता त्रस्त है। जनता बेहाल, परेशान है। बच्चों की बढ़ी हुई फीस से अभिभावक आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। बढ़ी हुई डीजल पेट्रोल की कीमतों के कारण किसान बेहाल है। किसानों का समर्थन मूल्य निर्धारित नही किया जा रहा है। जिससे किसानों की लागत भी नहीं मिल पा रही है। बिजली और डीजल की बढ़ी हुई दरें किसानों की कमर तोड़ दे रही है। भाजपा सरकार हिंदू मुस्लिम मंदिर मस्जिद धर्म संप्रदाय के झगड़े में जनता को उलझा कर जनता का शोषण कर रही है। जब तक भाजपा सरकार को सत्ता से हटा नहीं दिया जाएगा तब तक लोग बदहाली का शिकार होते रहेंगे। अब वक्त आ गया है कि जनता एकजुट होकर कांग्रेस का हाथ मजबूत करें। तभी सुख शांति और अमन कायम हो सकेगा। कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिवक्ता देवराज उपाध्याय,भोलानाथ तिवारी, अजीत भारतीय,भीम मिश्रा,दिनेश भारतीया,मो.सददाम,हरिभान सिंह सिंगरौर,अरविन्द कुमार,ज्ञान प्रकाश मौर्या,शशिकान्त कुशवाहा,जय प्रकाश भारतीय,सीलवन्त कुमार भारतीय आदि कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

क्षेत्र शांति व्यवस्था के साथ साथ आम जनता की सुरक्षा ही पुलिस की है नैतिक जिम्मेदारी : राजेश उपाध्याय

● कानून व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त बनाने को लेकर मेजा कोतवाली के उपनिरीक्षकों की विशेष गोष्ठी आयोजित, वांछित अपराधियों, वारंटियों और आईजीआरएस पर मेजा पुलिस का होगा कड़ा एक्शन

अखंड भारत संदेश

मेजा। क्षेत्र में अमन चैन व शांति बहाल करने एवं कानून व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त रखने को लेकर रविवार को कोतवाली मेजा में प्रभारी निरीक्षक राजेश उपाध्याय के नेतृत्व में एक विशेष गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें थाना क्षेत्र के सभी चौकी इंचार्ज एवं उपनिरीक्षक मौजूद रहे।

गोष्ठी में शामिल चौकी प्रभारी व उपनिरीक्षक

उल्लेखनीय है कि गोष्ठी में उपस्थित चौकी प्रभारियों एवं थाने के उपनिरीक्षकों को कड़े निर्देश देते हुए कोतवाली प्रभारी राजेश उपाध्याय ने कहा कि यह गोष्ठी विभागीय उच्चाधिकारियों के निर्देश पर आयोजित की गई है जिसमें दी गई गाइड लाइन का गंभीरता पूर्वक अनुपालन सुनिश्चित किया जाना नितांत आवश्यक है। उन्होंने वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के साथ साथ आईजीआरएस की शिकायतों को प्रमुखता से लेने हेतु कड़े एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए और कहा कि ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इतना ही नहीं प्रभारी निरीक्षक मेजा राजेश उपाध्याय ने सख्त लहजे में सभी उपनिरीक्षकों को अपने अपने क्षेत्र में सतर्कता पूर्वक मुस्तैद रहकर कार्य करने की भी कड़ी हिदायत दिया है। इस दौरान उन्होंने कहा कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था और आम जनता की सुरक्षा ही पुलिस की नैतिक जिम्मेदारी है।

इस मौके पर चौकी प्रभारी सिरसा अनिल कुमार पाण्डेय, चौकी प्रभारी जैवनिया मनोज कुमार,चौकी प्रभारी मेजारोड अंकुश कुमार, चौकी प्रभारी कोहड़ार अमित कुमार सिंह, उप निरीक्षक बृजेश सिंह,उप निरीक्षक बलवंत यादव उप निरीक्षक लालन प्रसाद, उपनिरीक्षक गौरव कुमार तथा उप निरीक्षक अंकित तिवारी आदि के अलावा थाने के कई अन्य उपनिरीक्षक प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में की गई रोगों की जांच दी गई दवाएं

सहसों। हरिओम चैरिटेबल ट्रस्ट सहसों बाईपास पर रविवार को निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाकर शुगर, उच्च रक्तचाप आदि की जांच की गई। इस दौरान जागरूकता गोष्ठी आयोजित कर डॉक्टर अमित यादव ने उपस्थित लोगों से कहा कि आज अपने राज्य में सबसे ज्यादा शुगर, ब्लड प्रेशर के मरीज ज्यादा हो रही हैं। जो बिना जानकारी एवं जागरूकता के अभाव में अपनी जान गांव बैठते हैं। शुगर, ब्लड प्रेशर, हार्ड के मरीजों को नियमित जांच करवाते रहना चाहिए। ऐसे मरीजों को नियमित खान-पान, व्यायाम, नमक को कम मात्रा में सेवन करना एवं तनाव से बचते रहना चाहिए। इस अवसर पर डॉक्टर अमीन, पंकज सिंह, पवन सिंह, मदन सिंह, अजय, नीरज पांडे, मनोज पटेल, रिंकू, सत्यम सिंह, शिवम पाल, नूरी, अंशुमन यादव सहित आदि लोग जागरूक होते उपस्थित रहे।

मोना के जन्मदिन पर सशक्तीकरण के क्षेत्र में सम्मानित हुई महिलाएं

समर्थकों व कार्यकर्ताओं ने बाबा का मत्था टेकते हुए प्रसाद अर्पण कर विधायक आराधना मिश्रा मोना के दीर्घायु होने के साथ लोकमंगल की कामना किया

● बाबा धाम के सांस्कृतिक रंगमंच पर जन्मदिन के भव्य समारोह में कार्यकर्ताओं ने केक काटकर साझा की खुशियां

जन्मदिन पर कार्यक्रम में सम्मानित की गयी महिलाएं

अखंड भारत संदेश

लालगंज। क्षेत्रीय विधायक एवं कांग्रेसविधान मंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना के जन्मदिन पर रविवार को सशक्तीकरण से जुड़े विविध आयोजन हुए। बाबा घुइसरनाथ धाम में मोना के जन्मदिन पर नारी सशक्तीकरण सम्मान-2025 का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में सामाजिक एवं राष्ट्रीय सरोकार के क्षेत्र में विशिष्ट महिलाओं को विधायक के जन्मदिन पर सम्मानित किया गया। वहीं लालगंज तहसील में अधिवक्ताओं तथा कैम्प कार्यालय पर कार्यकताओं ने विधायक मोना का जन्मदिन धूम-धाम से मनाया। बाबा धाम के सांस्कृतिक रंगमंच पर जन्मदिन के भव्य समारोह में कार्यकताओं ने केक काटकर खुशियां साझा की। समर्थकों व कार्यकताओं ने बाबा का मत्था टेकते हुए प्रसाद अर्पण कर विधायक आराधना मिश्रा मोना के दीघार्यु होने के साथ लोकमंगल की कामना किया। सांस्कृतिक सभागार में विधायक के जन्मदिन पर आयोजन समिति द्वारा जिले की एंटी रोमियों प्रभारी प्रीती कटियार, कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय सांगीपुर की वार्डन आराधना यादव , लालगंज वार्डन वंदना पाण्डेय, सामाजिक कार्यकत्री मंदाकिनी तिवारी, शिक्षिका कामना उपाध्याय, महिला आरक्षी सुप्रिया व अखिलेश यादव को सांगीपुर प्रमुख अशोक सिंह बब्लू व चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी एवं शिक्षाविद केडी मिश्रा ने नारी सशक्तीकरण सम्मान के तहत शॉल एवं पुष्पगुच्छ तथा श्रीराम दरबार जी का चित्र भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्रमुख दृगपाल यादव व संयोजन अधिवक्ता शैलेन्द्र मिश्र ने किया। संचालन मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने किया। वही अतुल मिश्र व आदिगंगा सई तट पहुंचकर समर्थको ने मछलियों के लिए दाना भी डाला।यहां डॉ0 अमिताभ शुक्ल, रामकृपाल पासी, लालजी यादव, रघुनाथ सरोज ने विधायक मोना के संसदीय गुणों, महिलाओं को सशक्तीकरण के क्षेत्र में प्रोत्साहन तथा क्षेत्रीय विकास मे सर्वश्रेष्ठता आदि गुणों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में एंटीरोमियों की प्रभारी प्रीती कटियार ने विशिष्ट वक्ता के रूप में महिला सुरक्षा तथा वार्डन आराधना यादव ने बालिका शिक्षा के क्षेत्र में सशक्तीकरण की भूमिका पर प्रकाश डाला। आभार प्रदर्शन आशुतोष मिश्र ने किया। वही तहसील परिसर में अधिवक्ता गीता सिंह एवं पूर्व अध्यक्ष विकास मिश्र तथा पूर्व महामंत्री शेष तिवारी एवं पूर्व उपाध्यक्ष संतोष कुमार पाण्डेय एवं सुरेन्द्र सिंह के संयोजनमें अधिवक्ताओं ने केक काटकर विधायक मोना के जन्मदिन को धूमधाम से मनाया। इस मौके पर विभव शुक्ल,छोटे लाल सरोज, रोहित सिंह, पप्पू तिवारी, अशोकधर दुबे, पवन शुक्ला, शेरू खां, दारा सिंह, आशीष कौशल, हरिशंकर सरोज, राजू मिश्र, प्रभात ओझा, अतुल शुक्ला, आशुतोष शुक्ला, सिंटू मिश्र, मुरलीधर तिवारी, महादेव प्रसाद मिश्र बमबम, अकुंर सिंह, रामअभिलाष यादव, लाल अंकित प्रताप सिंह, सोनू मिश्रा, श्रीराम वर्मा, राजू पाण्डेय, रामू मिश्रा, अरूण तिवारी आदि रहे। वहीं लालगंज कैम्प कार्यालय पर कार्यकताओं ने विधायक मोना के जन्मदिन पर स्वच्छता कर्मियों को सम्मानित किया।

न्यूज झरोखा

वारंटी को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

पट्टी। वारंटी अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पट्टी कोतवाल अवन कुमार दीक्षित ने बताया कि कोतवाली के दरोगा अनीश कुमार यादव गस्तपर थे। इस दौरान मुखबिर खास ने सूचना दिया की वारंटी अभियुक्त जवाहरलाल पटेल निवासी खनिक सराय सलाहपुर बंधवा बाजार में मौजूद है। पुलिस ने आरोपी अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। रविवार की शाम पकड़े गए व्यक्ति को पुलिस ने जेल भेज दिया।

गैगस्टर के आरोपी धराये, गये जेल

लालगंज। सांगीपुर पुलिस ने रविवार को गैगस्टर एक्ट के दो आरोपियों को हिरासत में लेकर जेल भेज दिया। इन आरोपियों पर विस्फोटक पदार्थ अधिनियम , आबकारी अधिनियम, लोकसम्पत्ति निवारण अधिनियम के गम्भीर मुकदमें दर्ज है। थाने में तैनात महिला आरक्षी श्वेता दीक्षित तथा आरक्षी राम प्रकाश ने रंगौली तिराहे से गैगस्टर आरोपी तारापुर निवासी राकेश सरोज पुत्र सुखई व एक अभियुक्ता को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने आरोपियों को दोपहार बाद जेल भेज दिया।

उदयपुर में महीनों से नही हो पा रही जलापूर्ति डीएम से शिकायत

प्रतापगढ़। उदयपुर क्षेत्र के हर्षद श्रीवास्तव ने डीएम को दिये गये शिकायती पत्र में कहा है कि उदयपुर में पीने के पानी की टंकी में खराबी के कारण लोगो को जलापूर्ति नही हो पा रही है। शिकायती पत्र में कहा गया है कि बीती बारह मार्च से मंगापुर जलनिगम की टंकी से उदयपुर बाजार में पीने के पानी की सप्लाई नही हो रही है। शिकायत में कहा गयाहै कि विभाग से शिकायत करने पर मोटर की मरम्मत कराये जाने का बहाना बताया जाता है। एसडीएम शैलेन्द्र वर्मा ने जलनिगम के एसडीओं को समस्या के समाधान कराये जाने के निर्देश दिये।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

लालगंज। कोतवाली के उप निरीक्षक विवेक कुमार शनिवार की सुबह पुलिस बल के साथ गश्त पर निकले थे। इसी बीच दुष्कर्म व पास्को एक्ट के दर्ज मुकदमे मे वांछित चल रहे आरोपी के एक स्थान पर खड़े होने की सूचना मिली। उप निरीक्षक ने पुलिस फोर्स के साथ घेराबंदी करके कोतवाली क्षेत्र के विकास नगर पुलिया के पास से आरोपी सनी उर्फ सन्नी पुत्र श्रीराम निवासी दरियांव का पुरवा जौदहा कोतवाली सलोन, रायबरेली को धर दबोचा। कोतवाल नीरज यादव ने बताया कि पकडे गये वांछित को जेल भेज दिया गया है।

चोरी की बाइक के साथ आरोपी धराया, गया जेल

लालगंज। कोतवाली के उप निरीक्षक सुमित कुमार वर्मा शनिवार सुबह हमराहियो के साथ गश्त पर निकले थे। इसी बीच मुखबिर से सूचना मिलने पर पुलिस ने बेलहा चैराहे के पास घेराबंदी करके एक आरोपी को धर दबोचा। उप निरीक्षक ने बताया कि गिरफ्तार किये गये आरोपी संकेत सरोज उर्फ अक्का पुत्र हुबलाल निवासी सराय संग्राम सिंह के पास से चोरी की बाइक तथा कूटरचित दो नंबर प्लेट की बरामदगी की गयी है। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर उसे जेल भेज दिया गया है।

युवक को मारपीट कर किया घायल, शिकायत

पट्टी। परदेश से घर वापस आ रहे युवक को कस्बे में मारपीट कर घायल कर दिया गया। घायल ने थाने पर शिकायत की है । जौनपुर जनपद के बदलापुर तहसील क्षेत्र के फिरोजपुर गांव निवासी राज शुक्ला अपनी दादी के घर नोएडा दिल्ली गया हुआ था। जहां से वह वापस लौट रहा था। इस दौरान शनिवार को दिन में करीब 4 बजे पट्टी कस्बे में उतरा और एक जूस की दुकान पर जूस पीने जा रहा था। इस दौरान एक युवक ने उसे गाली दे दी। विरोध करने पर युवक के साथ मारपीट की गई। बाजार वालों के बीच बचाव से उसकी जान बची। पीड़ित ने आसपास के लोगों से युवक के नाम के जानकारी हासिल की। थाने पर आरोपी युवक के विरुद्ध शिकायत करते हुए कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है।

लकड़ी की डाल गिरने से युवक घायल, इलाज के दौरान मौत

मृतक की फाइल फोटो

रोते बिलखते मृतक के परिजन

अखंड भारत संदेश

बेलखरनाथ धाम। लकड़ी की डाल गिरने से युवक घायल हो गया। इलाज के लिए उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया जहां उसकी मौत हो गई। मौत की सूचना मिलने पर परिजनों में कोहराम मच गया।

कधंई थाना क्षेत्र के रखहा बाजार निवासी सुरेन्द्र कुमार गौड़ (37) लकड़ी कटाई का काम करता था। शनिवार को लकड़ी कटान के लिए अपने साथियों के साथ सगरा सुंदरपुर गया था। जहां देर शाम लकड़ी की डाल उसके ऊपर गिर गई। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। साथ रहे लोगों ने उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया जहां देर रात उसकी मौत हो गई। मौत की सूचना पर मिलने पर परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। रविवार को पोस्टमार्टम के बाद शव घर पहुंचने पर परिजनों का रो रोकर बुरा हाल हो गया।मृतक तीन भाइयों में दूसरे नंबर का था।इस संबंध में थानाध्यक्ष कंधई गुलाबचंद सोनकर ने बताया कि घटना दूसरे थाना क्षेत्र की है। परिजनों ने कोई तहरीर नहीं दी है।

कार की टक्कर से किशोर घायल, कार का पीछा करते समय दो कार गड्ढे में पलटी

अखंड भारत संदेश

सड़क किनारे गड्ढे में पलटी कार

पट्टी। सड़क के पास खड़े किशोर को कार ने टक्कर मार दी। जिससे किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। किशोर को टक्कर मार रही कार का पीछा करते समय दूसरी कार से टक्राने से दोनों कार गड्ढे में पलट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार को कब्जे में लेते हुए घायलों को इलाज के लिए भेजा।

कधंई थाना क्षेत्र के रखहा बाजार निवासी अनीस अहमद के यहां रविवार को बारात आई थी। शनिवार की देर रात ननिहाल बारात में शामिल होने आया मोहम्मद उजैद (4) पुत्र नौसाद निवासी गौड़ा डांड थाना अंतू सड़क के पास खड़ा था। इस दौरान प्रतापगढ़ की तरफ से आ रही डिजायर कार किशोर को टक्कर मार दी। इसके बाद चालक कार को लेकर पट्टी की तरफ भाग निकला। महुली निवासी मोहम्मद वसीम ने अपनी क्रेटा कार से डिजायर का पीछा करते हुए रोकने का प्रयास किया लेकिन कधंई के मोलानी गांव के पास डिजायर कार को रोकने के दौरान क्रेटा में टक्कर हो गई। जिसमें दोनों कार गड्ढे में पलट गई। पलटने की आवाज सुनकर आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे और घटना की सूचना चैकी दीवानगंज व चौकी प्रभारी बिजहरा को दी गई। कार में कुल चार लोग सवार थे। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को इलाज के अस्पताल भेजा और डिजायर कार चालक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। दोनों कार को पुलिस गड्ढे से निकाल कर थाने ले गई है। वहीं घायल किशोर मोहम्मद उजैद के शरीर मे चोट आया है। इस संबंध में थानाध्यक्ष कधंई गुलाबचंद सोनकर ने बताया कि कार चालक को थाने लाया गया है तहरीर मिलने पर कार्यवाही की जाएगी।

कोतवाल ने टेंपो व ई-रिक्शा चालकों के साथ की बैठक, दिये निर्देश

● कोतवाल अवन कुमार दीक्षित ने कहा कि कोई भी टेंपो चालक व ई रिक्शा चालक अपने वाहन काली सड़क पर नहीं खड़ा करेगा

बैठक में उपस्थित टेंपो व ई-रिक्शा चालक

अखंड भारत संदेश

पट्टी। कस्बे में जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए पट्टी कोतवाल ने टेंपो व ई रिक्शा चालकों के साथ रविवार को कोतवाली में बैठक की। इस दौरान उन्होंने चालकों को ट्रैफिक नियमों का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया।

पट्टी कोतवाली में ई रिक्शा चालक व टेंपो चालकों के साथ कोतवाल ने रविवार को दिन में करीब दो बजे एक आवश्यक बैठक की। इस दौरान कोतवाल अवन कुमार दीक्षित ने कहा कि कोई भी टेंपो चालक व ई रिक्शा चालक अपने वाहनकाली सड़क पर नहीं खड़ा करेगा। सवारी उतारते, पैसा लेते या सवारी बैठे हुए कोई भी टेंपो चालक व ई रिक्शा चालक अपना वाहन सड़क पर खड़ा किया हुआ पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सड़क पर वाहन चलते हुए ही नजर आए। आप प्रशासन का सहयोग करेंगे तो कोई भी आपको परेशान नहीं कर पाएगा। काली सड़क पर खड़ा हुआ वाहन पाया गया तो पुलिसिया कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। कोतवाली में मौजूद लगभग 30 से 35 ई रिक्शा चालक व टेंपो चालकों ने बनाए गए नियम का पालन करने का आश्वासन दिया। इस दौरान श्याम तिवारी, राजू सरोज, मोहम्मद मुकीम, इलियास, समेत 3035 की रिक्शा व टेंपो चालक मौजूद रहे।

नौ उम्मीदवारों ने समर्थकों साहित अधिवक्ता संघ के चुनाव में खरीदे पर्चे

लालगंज। संयुक्त अधिवक्ता संघ के चुनाव में रविवार को नौ नामाकंन पत्र उम्मीदवारों ने खरीदे। चुनाव समिति के कार्यालय में नामाकंन पत्रों को लेने के लिए उम्मीदवार समर्थक सहित उत्साहित दिखे। अवकाश के दिन भी परिसर में चुनावी गहमा-गहमी का माहौल बना दिखा। समित के महामंत्री विकास मिश्र की देख रेख में नामाकंन पत्रों की बिक्री हुई। प्रवक्ता ज्ञान प्रकाश शुक्ल ने बताया कि अध्यक्ष पद के लिए अनिल तिवारी महेश, राममोहन सिंह, संदीप सिंह, महामंत्री पद पर स्नेहांस प्रताप सिंह, शिवरंजन यादव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर अबरार अहमद खांन, नीलेश बहादुर सिंह, कोषाध्यक्ष पद पर हरिनारायण पाण्डेय, सदस्य पद पर अतुल तिवारी ने नामाकंन पत्र लिये। आज सोमवार से आगामी 23 अप्रैल तक नामाकंन पत्र दाखिल किये जायेगे।

अपनों के मुंह मोड़ते ही गोपाल ने खून देकर बचाई महिला की जान

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। इलाके के डंगरी गांव निवासी गोपाल ओझा ने एक ऐसी अनुसूचित महिला को अपना खून देकर उसकी जान बचाई है, जब उसके अपनों ने ही उसकी मदद से अपना मुंह मोड़ लिया। उसके सामने अंधेरा नजर आ रहा था तब गोपाल ने अपना खून देकर उसकी जान बचाई। इसमें महत्वपूर्ण भूमिका नगर पंचायत गड़वारा अध्यक्ष के प्रतिनिधि सचिन सिंह सोलू ने निभाई। उन्हीं की प्रेरणा और उनके साथी गोपाल की मजबूत इच्छा शक्ति से गरीब महिला की जान बच सकी। नगर पंचायत गड़वारा बाजार के डंगरी वार्ड में एक दस दिन पहले अनुसूचित वर्ग के दो पड़ोसी राम गरीब और गौतम जमीन के एक छोटे से हिस्से के लिए आपस में ही मारपीट कर लिए थे। जिसमें दोनों पक्ष के लगभग छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घटना में गौतम के जवान बेटे रोशन की मौत भी हो गई थी। जबकि गौतम उसकी पत्नी रेखा छोटा बेटा राजन बेटी रोशनी गंभीर रूप से घायल हो गए थे। गौतम और उसकी पत्नी रेखा को इलाज के लिए प्रयागराज रेफर किया गया था। जहां से कुछ दिनों के इलाज के बाद सबको डिस्चार्ज कर दिया गया परंतु रेखा के शरीर में कई जगह से फ्रैक्चर होने की वजह से उसका अभी भी स्वरूप रानी अस्पताल में इलाज चल रहा है। हाथ में ऑपरेशन होने के लिए उसे खून की जरूरत थी। उसके स्वजनों ने खून के लिए हर जगह हाथ पांव मारा लेकिन उसके अपनों ने मदद से मुंह मोड़ लिया। तब उसने मदद के लिए नगर पंचायत गड़वारा अध्यक्ष के प्रतिनिधि सचिन सिंह सोलू और गांव के युवक गोपाल ओझा से मदद की मांग की। तब सचिन सिंह की प्रेरणा से उनके सक्रिय समर्थक और साथी गोपाल ओझा ने मजबूत इच्छा शक्ति दिखाते हुए तत्काल पीड़ित को खून देने के लिए तैयार हो गए और स्वरूप रानी अस्पताल में शुक्रवार को पहुंचकर अपना खून देकर उसकी जान मचाई। इसके पहले घटना के दूसरे दिन सचिन सिंह सोलू ने पीड़ित पक्ष के घायलों को इलाज के लिए 50 हजार नकद भी दिया था। जिससे उन्हें आर्थिक सहायता मिल सकी थी। अब अनुसूचित वर्ग की घायल महिला को खून देकर उसकी जान बचाने पर सचिन सिंह और उनके साथी गोपाल की क्षेत्र में प्रशंसा हो रही है ।

आज अधिकारियों के साथ करेंगे बैठक

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश विधान परिषद की वित्तीय एवं प्रशासकीय विलंब समिति पवन कुमार सिंह सभापति, समिति के सभापतित्व में 21 अप्रैल को सड़क मार्ग से प्रातः 8 बजे लखनऊ से प्रस्थान कर जनपद प्रतापगढ़ पहुंचेगी। जनपद प्रतापगढ़ में अध्ययन भ्रमण के दौरान प्रतापगढ़ एवं फतेहपुर के जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक व अन्य विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक किया जाएगा। समिति द्वारा अध्ययन भ्रमण के दौरान सेवानिवृत्ति कार्मिक से संबंधित पेंशन, ग्रेच्युटी व अन्य देयकों के भुगतान की स्थिति, वृद्धावस्था-विधवा पेंशन के लंबित प्रकरण, विभागों में मृतक आश्रित के मामले तथा कितने मृतक आश्रित सेवायोजित किए गए, जीपीएफ के भुगतान की स्थिति आदि के संबंध में समीक्षा की जाएगी।

ससुरालीजनों पर प्रताड़ित करने का लगाया आरोप

पट्टी। दहेज के लिए विवाहिता को प्रताड़ित करने का आरोप लगाया गया है। पीड़िता ने थाने पर शिकायत की है। आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के भटीखुर्द गांव निवासी पूजा पत्नी विवेक कुमार की शादी तीन वर्ष पूर्व हुई थी। मां चमेला देवी ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया कि दहेज के लिए ससुराल के लोगों उसे मारने पीटने के साथ प्रताड़ित कर रहे हैं। पीड़िता महिला ने बताया कि उसकी बेटी वर्तमान समय में ससुराल में है। उसने फोन करके बताया कि उसे खाना पीना नहीं दिया जा रहा है। पीड़िता महिला ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मां की है। पुलिस मामले की छान-बीन में जुटी हुई है।

जांच के दौरान दो पक्ष भिड़ें, दर्जनों आरोपियों के खिलाफ क्रास केस दर्ज

● जांनलेवा हमले में अधिवक्ता समेत तीन रेफर, जांच में जुटी पुलिस

लालगंज। शिकायत की जांच को लेकर उदयपुर में दो पक्षों में जमकर मारपीट की घटना घटित हुई। दिन की मारपीट से चिढेएक पक्ष ने देर रात दूसरे पक्ष पर फिर हमला बोल दिया। घटना को लेकर उदयपुर पुलिस ने हत्या के प्रयास समेत गम्भीर धाराओं में क्रास केस सहित तीन एफआईआर दर्ज की है। उदयपुर निवासी मनोज जायसवाल ने गांव में कराये गये कार्यो को लेकर अनियमितता का आरोप लगाते हुए प्रधान बद्री जायसवाल के खिलाफ डीएम से शिकायत दर्ज करायी थी। इस पर शनिवार को जिला मुख्यालय से जांच टीम पहुंची। जांच के दौरान नाप जोख हो रही थी कि पंचायत भवन के समीप दोनो पक्ष भिड़ गये। घटना को लेकर गांव के प्रधान बद्री प्रसाद जायसवाल पुत्र स्व0 शीतला प्रसाद की तहरीर पर गांव के आरोपी अधिवक्ता मोहित जायसवाल, मनोज व अम्बुज जायसवाल तथा नीरज सिंह पुत्र कालिका सिंह समेत सात अज्ञात के खिलाफ बलवा समेत गम्भीर धाराओं में केस दर्ज हुआ। वही दूसरे पक्ष के अधिवक्ता मोहित जायसवाल पुत्र शीतला प्रसाद की तहरीर पर विपक्षी बद्री प्रसाद जायसवाल, राजकुमार, अमन, अंकुर, जगनारायण मिश्र समेत आठ से दस अज्ञात के खिलाफ भी बलवा समेत गम्भीर धाराओं में केस दर्ज हुआ। घटना को लेकर रात में एक पक्ष पर जांनलेवा हमले का आरोप है । इस घटना को लेकर मोहित जायसवाल की तहरीर पर रविवार की सुबह आरोपी बद्री जायसवाल, जगन्नाथ, विश्वनाथ , दिवाकर , सुनील, बच्चन मिश्र, सुजीत सिंह, देवेन्द्र सिंह के खिलाफ हत्या के प्रयास समेत गम्भीर धाराओं में केस दर्ज किया गया है। मारपीट की घटना में गम्भीर रूप से घायल मोहित जायसवाल व नीरज सिंह व मनोज समेत तीन जिला अस्पताल में रेफर किये गयें । वहां इनका इलाज चल रहा है। उदयपुर थानाध्यक्ष राधेश्याम का कहना है कि आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है टीम का गठन कर आरोपियों की गिरफ्तारी की जायेगी।

पुरानी रंजिश में युवक को मारपीट कर किया घायल

पट्टी। पुरानी रंजिश को लेकर युवक को मार-पीट कर घायल कर दिया गया। घायल ने कोतवाली में शिकायती पत्र दिया है। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के उड़ैयाडीह गांव निवासी जावेद अंसारी ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि वह बाजार में गैरेज खोल रखा है। वह अपनी गैरेज के सामने खड़ा था कि एक व्यक्ति अपने दो साथियों के साथ डंडा लेकर आया और उस पर हमला कर दिया। मार-पीट कर उसे लहूलुहान कर दिया। घायल पट्टी कोतवाली आया आरोपियों के विरुद्ध नामजद प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस घायल का मेडिकल कराते हुए अग्रिम कार्रवाई में जुटी हुई है।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की बैठक जिला मुख्यालय पर संपन्न

अखंड भारत संदेश

बैठक में उपस्थित ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के पदाधिकारीगण

बेलखरनाथ धाम। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की एक बैठक जिला मुख्यालय पर अम्मा साहेब ट्रस्ट कार्यालय पर जिला अध्यक्ष रंजन त्रिपाठी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें संगठन की मजबूती सहित तमाम विंदुओं पर विचार विमर्श किया गया। बैठक के दौरान जिला अध्यक्ष ने कहा कि संगठन को सक्रिय बनाने में सभी पत्रकारों की भूमिका महत्वपूर्ण होनी चाहिए। जनपद में गठित तहसीलों में वर्तमान समय में जो भी इकाई शिथिलता पूर्वक कार्य करेगी उसे निष्क्रिय मानते हुए वहां नई इकाई का गठन किया जाएगा ।किसी भी दशा में प्रत्येक माह तहसील मुख्यालय पर पत्रकारों की बैठक करना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन अब प्रदेश ही नहीं बल्कि पूरे भारत में अपनी एक अलग पहचान बना रहा है। जल्द ही पूरे भारत में संगठन का विस्तार होगा उसके लिए सारी तैयारियां हो चुकी है ।भारत के कोने-कोने में ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के सदस्यों का बोलबाला रहेगा । बैठक में प्रमुख रूप से जिला उपाध्यक्ष रवींद्र मिश्रा, कोषाध्यक्ष प्रमोद द्विवेदी, पट्टी तहसील अध्यक्ष बालेंद्र भूषण पांडेय,सदर तहसील अध्यक्ष जितेंद्र सिंह, महामंत्री रविश तिवारी, महेंद्र तिवारी, रामसूरत पांडे, सहित अन्य पत्रकार मौजूद रहे।

संवैधानिक अधिकार रथ यात्रा कौशांबी पहुँचने पर निषाद पार्टी व मछुआ समाज के लोगों ने किया भव्य स्वागत

अखंड भारत संदेश

● निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल निषाद पार्टी के तत्वावधान में रथ यात्रा रविवार को जनपद कौशांबी पहुंची ● राष्ट्रीय अध्यक्ष मछुआ समाज के अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र निर्गत कराये जाने को लेकर प्रदेश में संवैधानिक अधिकार यात्रा निकाल रहे हैं

कौशाम्बी। निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल निषाद पार्टी के तत्वावधान में रविवार को निकाली जा रही संवैधानिक अधिकार रथ यात्रा के चौथे चरण के दूसरे दिवस पर जनपद कौशांबी पहुँचने पर निषाद पार्टी कार्यकताओं व मछुआ समाज के लोगो ने यात्रा का भव्य स्वागत किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष-निषाद पार्टी एवं प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री मत्स्य विभाग डॉ संजय कुमार निषाद के नेतृत्व में यात्रा जनपद रायबरेली पहुँची। राष्ट्रीय अध्यक्ष मछुआ समाज के अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र निर्गत कराये जाने को लेकर प्रदेश में संवैधानिक अधिकार यात्रा निकाल रहे हैं। श्री निषाद ने बताया कि यात्रा 30 नवंबर 2024 को माता शाकुम्भरी देवी शक्ति पीठ से प्रारंभ की गई थी। यात्रा ने तीन चरणों में उत्तर प्रदेश के 69 जनपदो से होती हुई आज चौथे चरण में जनपद कौशांबी पहुँची है, तत्पश्चात जनपद प्रयागराज, मिर्जापुर, भदोही, सोनभद्र होते हुए लखनऊ में यात्रा का समापन होगा। उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान सभी जनपदों में मछुआ समाज के समक्ष निषाद पार्टी द्वारा अभी तक मछुआ अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र निर्गत कराये जाने के संबंध में उठाये गये कदमों को समाज के समक्ष रखने का काम किया है। उन्होंने कहा कि मछुआ समाज के राजनीति इतिहास में पहली बार किसी पार्टी और नेता ने आरक्षण अन्य सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक मुद्दों को लेकर भ्रमण किया है। श्री निषाद ने बताया कि बीते दिन 18 अप्रैल 2025 को उन्होंने दिल्ली में गृह एवं सहकारिता मंत्री भारत सरकार अमित शाह से उनके आवास पर मुलाकात के दौरान भी उन्होंने मछुआ समाज के आरक्षण के मुद्दे पर वार्ता हुई है। उन्होंने मछुआ समाज की भारतीय जनता पार्टी से आकांक्षाओं को भी गृह मंत्री के समक्ष रखा है क्योंकि मछुआ समाज जानता है जिस प्रकार देश के अन्य लंबित और जटिल मुद्दों को प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री ने हल करने का काम किया है उसी प्रकार मछुआ समाज के बहूप्रतीक्षित आरक्षण के मुद्दे को भी हल करने का काम जरूर करेंगे। श्री निषाद ने समाजवादी पार्टी द्वारा मछुआ समाज की गौरव पूर्व सांसद बहन वीरांगना फूलन देवी का नाम बार बार लेने पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराते हुए कहा की समाजवादी पार्टी को बहन फूलन देवी का नाम लेने का कोई अधिकार नहीं है, आज इनको मछुआ समाज के वोट लेने के चलते बहन फूलन देवी की याद आ रही है, किंतु समाजवादी पार्टी से पूछना चाहिए जब बहन फूलन देवी समाजवादी पार्टी से सांसद थी तो उनकी हत्या के पश्चात क्यों नहीं सीबीआई जाँच के लिए धरना प्रदर्शन किया तब तो केंद्र की सरकार समाजवादी पार्टी की बैशाखी पर चल रही थी किंतु इन्होंने मछुआ समाज की नेता होने चलते केवल दिखावा और छलावा करने का काम किया। ये लोग पुनः मछुआ समाज को बहन वीरांगना फूलन देवी के नाम पर बरगलाना चाहते हैं किंतु मछुआ समाज इनके झूठे झाँसे में नहीं आने वाला है।श्री निषाद ने बताया कि प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री के नेतृत्व में जीरो टॉलरेंस नीति पर काम कर रही है और उसी आधार पर प्रदेश में मत्स्य विभाग आज विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाए संचालित कर रहा है जोकि मछुआ समाज के विकास के लिए मिल का पत्थर साबित हो रही है। आज प्रदेश में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड (मत्स्य पालन क्षेत्र), प्रधानमंत्री मछुआ दुर्घटना बीमा योजना, मत्स्य पालक कल्याण कोष (शिक्षा, चिकित्सा, विवाह, दैवीय आपदा समेत अन्य 06 मद), निषाद राज बोट योजना समेत अन्य योजनाएँ प्रदेश में संचालित की जा रही है और उत्तर प्रदेश देश में इनलैंड फि शरिज में सबसे अधिक योजनाये संचालित करने वाला प्रथम राज्य है।

चोरी के जनरेटर के साथ तीन आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

कौशांबी। मंझनपुर कोतवाली पुलिस ने चोरी के जनरेटर के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है थाना मंझनपुर पुलिस टीम द्वारा चोरी के जनरेटर के साथ 03 वांछित अभियुक्तों प्रदीप सरोज पुत्र रामसूरत निवासी ओसा वा सर्वेश कुमार पुत्र शिव प्रताप निवासी ओसा को बस स्टॉप मंझनपुर के पास से गिरफ्तार किया है और सुनील कुमार मौर्य पुत्र कल्लू मौर्या निवासी उड़की थाना रैपुरा जनपद चित्रकूट को पावर हाउस रैपुरा के पास से गिरफ्तार किया गया। विधिक कार्यवाही के बाद थाना पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों को अदालत में पेश कर दिया है।

सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा एसडीएम के आदेश पर चलाया गया बुल्डोजर

अखंड भारत संदेश

सिराथू तहसील की यदुवीरपुर में किया गया था अवैध कब्जा

कौशाम्बी। प्रदेश के मुख्यमंत्री के द्वारा चलाए जा रहे हैं अभियान के तहत रविवार को एसडीएम सिराथू योगेश गौड़ के आदेश पर बुलडोजर चलाकर दो बीघा सरकारी जमीन को खाली कराया गया। प्रशासन की इस कार्रवाई से सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जा कर रहे भू माफियाओ के बीच में हड़कंप मच गया है। बताते चले की तहसील क्षेत्र के मलाक पिंजरी गांव के मजरा यदुवीरपुर की आराजी संख्या 17 पर कई लोगों ने आवास रूप से कब्जे कर रखे थे और सरकारी भूमि पर पशुओं को बाधने के साथ-साथ वहां पर अवैध रूप से झोपड़ियां का निर्माण करना शुरू कर दिया गया था। शनिवार को समाधान दिवस के अवसर पर गांव के लोगों ने इसकी शिकायत किया था। जिस पर तत्काल कार्रवाई करते हुए एसडीएम ने इलाकाई लेखपाल और चौकी पुलिस को आदेश जारी कर तत्काल अवैध निर्माण को खाली कराए जाने के लिए कहा था। रविवार को पहुंची राजस्व पुलिस की संयुक्त टीम ने आराजी मे बने अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाकर आरजी को खाली कर दिया। उप जिलाधिकारी सिराथू के इस करवाई को देखकर इलाके के अवैध कब्जाधारियों में हड़कंप मचा हुआ है।

बकाया मांगने पर न देने वाले लेखपाल पिता-पुत्र को पड़ा महंगा जमकर कूटे गए

अखंड भारत संदेश

करोड़ों की संपत्ति केमालिक लेखपाल पिता पुत्र पर लागू होती है कहावत चमड़ी जाए पर दमड़ी ना जाए

कौशाम्बी। सिराथू तहसील क्षेत्र के रिटायर लेखपाल नसीम अहमद अपने पुत्र तौसीफ के साथ सिराथू बाजार जा रहे थे इसी बीच सिराथू ओवर ब्रिज के पास पहुंचे अनीस अंसारी ने अपने पुत्रों के साथ मिलकर लेखपाल नसीम अहमद और उनके पुत्र तौसीफ को जमकर कूट दिया है हालांकि कोई गंभीर चोटे नहीं आई लेकिन कट छिल जाने से कहीं-कहीं खून निकला है मामले की शिकायत सिराथू चौकी पुलिस से लेखपाल और उनके बेटे ने की है।

बताया जाता है कि अनीश अंसारी सिलाई का काम करते हैं और उनकी रकम रिटायर्ड लेखपाल नसीम अहमद ने ले रखा था टेलर अनीस अंसारी बार-बार अपना बकाया रकम लेखपाल नसीम अहमद से मांगते थे लेकिन लेखपाल नसीम अहमद बकाया पैसा देने को तैयार नहीं थे करोड़ों के संपत्ति के मालिक लेखपाल की बदनीयती के चलते टेलर अनीश अहमद ने अपने पुत्रों के साथ मिलकर रविवार को सिराथू ओवरब्रिज पर लेखपाल को जमकर कूट दिया है अब सवाल उठता है कि किसी की रकम लेकर उसे ना देना बेईमानी करना यह कहां से लोकप्रियता है कहां से न्याय प्रियता है और अपना बकाया रकम मांगना कौन सा गुनाह है हालांकि जब तक लेखपाल ड्यूटी पर रहे तब तक बात-बात पर पुलिस की धमकी देना और तहसील के अधिकारियों की धमकी देकर लोगों पर रुआब जमाते थे किसी ने भी जुबान खोलने की कोशिश की तो उस पर नोटिस और कार्रवाई करवाने में पीछे लग जाते थे लेखपाल होते हुए भी ड्यूटी के दौरान इनका आतंक था और तमाम लोग लेखपाल के आतंक के शिकार हुए लेकिन लेखपाल के आतंक का विरोध करने का कोई साहस नहीं कर पता था लेखपाल अपने को किसी गुंडा से काम नहीं समझता था लेकिन उसे बराबरी का व्यक्ति रविवार को मिल गया और उसकी जमकर कुटाई कर दिया है लेखपाल की शिकायत के बाद पुलिस ने पिता पुत्र को सीएचसी इलाज के लिए भेजा है दूसरे की रकम बेईमानी करने वालों को लेखपाल के कूटे जाने से सबक लिए जाने की जरूरत है यदि लेखपाल ने बकाया रकम दे दी होती तो ना कूटे जाते ना आज की अशांति ना होती अशांति कायम करने की जिम्मेदार भी लेखपाल उनके बेटे हैं लेकिन मारपीट करने वालों पर तो मुकदमा दर्ज होना स्वाभाविक है।

3 दिन से गिरफ्तार आरोपी को जेल नहीं भेज सकी पुलिस

अखंड भारत संदेश

आरोपी को छोड़ने का लगातार नेताओ का पड़ रहा है दबाव पुलिस नहीं कर पा रही निर्णय

कौशांबी। करारी थाना क्षेत्र के एक स्कूली छात्रा के साथ दो महीने से छेड़खानी के बाद आरोपी युवक आधी रात को बालिका के घर में घुस गया था और उससे दुष्कर्म का प्रयास कर रहा था मामले की जानकारी होने पर परिवार के लोग युवक के घर उलाहना देने गए थे बालिका के परिवार के लोगों के साथ गाली गलौज भी किया गया था मामले में 17 अप्रैल को बालिका ने करारी थाने में तीन लोगों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कराया था मुकदमा पंजीकृत होते ही थाना पुलिस ने आरोपी एक युवक की घेराबंदी करके गिरफ्तार कर लिया और उसे हवालात में डाल दिया मुकदमे के दो आरोपी अभी गिरफ्तार नहीं हुए हैं धीरे-धीरे 3 दिन बीत गए लेकिन गिरफ्तार आरोपी को पूछताछ के नाम पर थाना पुलिस अदालत में पेश नहीं कर सकी है सवाल उठता है कि न्यायालय का निर्देश है कि 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार अभियुक्त को अदालत में पेश किया जाए लेकिन थाना पुलिस न्यायालय का आदेश मानने के बजाय मनमानी पर उतारू है चचाओं पर जाए तो थाने के बाहर कई नेता सक्रिय हो गए हैं और मौका मिलते ही वह पुलिस जनों से वार्ता करके आरोपी युवक को छोड़ने का दबाव बना रहे हैं बालिका के परिवार पर भी मुकदमे में समझौते का दबाव नेताओं द्वारा लगातार बनाया जा रहा है जिससे थाना पुलिस किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंच पा रही है कि गिरफ्तार युवक को जेल भेजना है या फिर उसे नेताओं के दबाव में समझौता करा कर छोड़ देना है हालांकि चचाओं पर जाए तो गिरफ्तार युवक के परिवार के लोगों से नेताओं ने मोटी रकम थाना पुलिस के नाम पर वसूल रखी है थाना पुलिस तक कितनी रकम पहुंची या फिर नेता पूरी रकम हजम कर जाना चाहते हैं यह तो जांच का विषय है।

कड़ा धाम पुलिस ने वारंटी को किया गिरफ्तार

कड़ा कौशाम्बी। थाना कड़ाधाम पुलिस टीम द्वारा वारंटी अभियुक्त शैलेश पुत्र लोकनाथ निवासी लेहदरी थाना कड़ा धाम को रविवार को थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। मारपीट गाली गलौज के मामले में 22 वर्षों पूर्व सैनी कोतवाली में आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज हुआ था अदालत में हाजिर न होने पर अदालत ने वारंट जारी किया जिस पर पुलिस ने वारंटी को गिरफ्तार कर लिया है विधिक कार्यवाही पश्चात पुलिस ने वारंटी को अदालत में पेश किया है।

निरोधात्मक कार्यवाही में 10 गिरफ्तार

कौशाम्बी। जनपद में शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से थाना करारी थाना कड़ा धाम थाना मोहब्बतपुर पइंसा और थाना पश्चिम शरीरा पुलिस ने शांति भंग के अंदेशा में 10 अभियुक्त को अलग-अलग गिरफ्तार किया है पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के कुशल निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान में साधारण मारपीट व शांति भंग करने में 10 अभियुक्तों के विरुद्ध थाना पुलिस द्वारा निरोधात्मक कार्यवाही की गई है।

पूर्व सैनिक कल्याण समित की मासिक बैठक सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। जनपद में पूर्व सैनिक कल्याण समित की मासिक बैठक जिला अध्यक्ष सूबेदार मदन सिंह की अध्यक्षता में आयोजित किया गया कार्य क्रम की शुरूआत जिला अध्यक्ष सूबेदार मदन सिंह के द्वारा नवागत सदस्य सूबेदार ललन सिंह एवं सूबेदार संत लाल को पुष्प माला पहना कर समित की सदस्यता ग्रहण कराकर स्वागत अभिनंदन करते हुए किया गया तत्पश्चात मचासीन समित के पदाधिकारियों का बारी बारी से संबोधन हुआ जिसमें सैनिक प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष भैयालाल यादव ने सभी पूर्व सैनिकों से आग्रह किया और कहा हम सभी लोगो को एक जुट हो कर रहने की जरूरत है हम लोग पूर्व सैनिक हैं हमे हमेशा सैनिकों के हित में काम करना चाहिए अगर किसी फौजी को कोई समस्या होती है तो समित को बताइए हम सब लोग मिल कर आप की समस्या को अधिकारियों के समक्ष पेश करके हल करवाने को कोशिश करेंगे तत्पश्चात कोषाध्यक्ष शिव करन विश्वकर्मा द्वारा सभी को समित के बारे में कुछ महत्वपूर्ण जानकारी दिया गया उसके बाद पूर्व सैनिक कल्याण समित के जिला अध्यक्ष सूबेदार मदन सिंह के द्वारा सभी का स्वागत अभिनंदन करते हुए ई सी एच एस के बारे में अवगत कराते हुए कहा गया कि हमारे जनपद के सबसे नजदीक अंकुर हॉस्पिटल है जिसमें ई सी एच एस हॉस्पिटल के पैनल में आता है आप लोग अमरजंसी में अपना इलाज अंकुर हॉस्पिटल में करवा सकते है अगर आप का कार्ड पुराना हो गया है तो ई सी एच एस कार्यालय में जा कर रिनीवल भी करवा सकते है ई सी एच एस की जो भी स्कीम आएगी मै आप को समय समय पर अवगत कराता रहूंगा समित के जो सच्चे सदस्य थे आज भी मेरे साथ है हम सब लोग फौजी है हमें कभी भी कोई ऐसा काम नहीं करना चाहिए जिससे फौज का नाम खराब हो मै समित का जिला अध्यक्ष होने के नाते आप लोगो से आग्रह करता हूं कि हमें शासन प्रशासन का हमेशा सहयोग करते हुए समय के मुताबिक काम करते रहना चाहिए हम सभी फौजियों को किसी के बहकावे में नहीं आना चाहिए और न ही किसी प्रकार की कोई गतिविधि में शामिल होना चाहिए सिविल में बहुत लोग जाति और धरम के नाम पर आप को गलत रस्ते पर ले जाने के लिए हमेशा तैयार है आप लोग इसी तरह समित के साथ बने रहे समित हमेशा आप की मदद करने के लिए तैयार है इस दौरान जिला अध्यक्ष सूबेदार मदन सिंह नायब सूबेदार भैया लाल यादव सूबेदार मेजर शिव करन विश्वकर्मा अमृत लाल यादव सूबेदार ललन सिंह सूबेदार संत लाल एवं अन्य पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

वांछित अभियुक्त को महेवाघाट पुलिस ने किया गिरफ्तार

कौशाम्बी। थाना महेवाघाट पुलिस टीम द्वारा वांछित अभियुक्त राजकुमार पुत्र राम भवन निवासी छिमिरछा थाना करारी को कौशाम्बी थाना के भगत पुर चौराहे से गिरफ्तार किया गया। आरोपी के विरुद्ध धारा 363 366 के तहत थाना में पूर्व से मुकदमा दर्ज है पुलिस लंबे समय से उसकी तलाश कर रही थी लेकिन आरोपी पुलिस से दूर भाग रहा था रविवार को पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है विधिक कार्यवाही के पश्चात थाना पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश कर दिया है।

399 वाहनों का पुलिस ने किया ई चालान

कौशांबी। पुलिस अधीक्षक बृजेश श्रीवास्तव के निर्देशन में कौशांबी में बड़े पैमाने पर दो पहिया और चार पहिया वाहनों की चेकिंग पुलिस टीम द्वारा अलग-अलग स्थान पर की गई है वाहनों की चेकिंग के दौरान पुलिस टीम ने वाहन गलत पाए जाने पर 399 दोपहिया और चार पहिया वाहनों का ई चालान किया है बड़े पैमाने पर पुलिस की कार्यवाही से पूरे दिन वाहन चालकों में हड़कंप की स्थिति बनी रही है।

नारी सुरक्षा स्वालंबन की दिशा में चलाए गए बड़े अभियान

कौशाम्बी। नारी सुरक्षा स्वावलंबन की दिशा में चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज 5 अभियान के तहत थाना कोखराज पुलिस टीम सहित पूरे जिले के थाना पुलिस टीम द्वारा रविवार को अपने अपने क्षेत्र में भ्रमण कर बालिकाओं महिलाओं को उनके अधिकारों के संबंध मे बताया गया तथा महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी महिलाओं बालिकाओं को महिला सिपाहियों द्वारा दी गई है और उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिलाया गया है।

वृद्धावस्था पेंशन का सत्यापन प्रारंभ अपात्रों को नहीं मिलेगा लाभ

अखंड भारत संदेश

मंडलायुक्त और जिलाधिकारियों को सत्यापन के दिए निर्देश

जीवित को मृतक दशार्ने वाले सत्यापनकर्ता अधिकारी, कर्मचारी पर होगी कड़ी कार्यवाही जीरो पावर्टी अभियान के अंतर्गत चिन्हित निर्धनतम परिवारों को मिलेगा वृद्धावस्था पेंशन का लाभ

कौशाम्बी। प्रदेश की डबल इंजन की सरकार बुजुर्गों के सुरक्षा, सम्मान और बेहतर स्वास्थ्य के लिए लगातार कार्य कर रही है। वृद्धावस्था पेंशन में मृतक एवं अपात्र पेंशनरों को सूची से बाहर कर उनके स्थान पर नए पात्र लाभार्थियों को पेंशन का लाभ दिया जा रहा है असीम अरुण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), समाज कल्याण, उत्तर प्रदेश ने कहा कि बुजुर्गों को बेहतर जीवन देने के लिए समाज कल्याण विभाग द्वारा राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना चलाई जा रही है। वास्तविक और पात्र लाभार्थियों तक ही योजना का लाभ पहुंच सके, इसके लिए नए वित्तीय वर्ष 2025-26 में पेंशन भुगतान के लिए सूची में शामिल लाभार्थियों के सत्यापन का कार्य शुरू कर दिया गया है। मुख्य सचिव के शासनादेश के द्वारा समस्त मंडलायुक्त और जिलाधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। जिसके अंतर्गत वृद्धावस्था पेंशन के 61 लाख लाभार्थियों का सत्यापन 25 मई तक किया जाएगा । मृतक एवं अपात्र पाए गए पेंशनरों को सूची से हटाकर, उनकी जगह नए पात्र लाभार्थियों को लाभांवित किया जाएगा विभाग की ओर से 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के बीपीएल आय सीमा के अंतर्गत वृद्धजनों को प्रतिमाह 1000 रुपये की पेंशन डीबीटी के माध्यम से तिमाही प्रदान की जा रही है। इसके अंतर्गत उत्तर प्रदेश का निवासी होना जरूरी है। ग्रामीण क्षेत्र के आवेदक की वार्षिक आय 46,080 रुपये और शहरी क्षेत्र में वार्षिक आय 56,460 रुपये से कम होनी चाहिए। ग्रामीण क्षेत्र में सत्यापन बीडीओ के माध्यम से और शहरी क्षेत्र में जिलाधिकारी द्वारा नामित एसडीएम अथवा अधिशाषी अधिकारी के माध्यम से करवाया जा रहा है।निदेशक, समाज कल्याण द्वारा समस्त मंडलीय उप निदेशक एवं समाज कल्याण अधिकारियों को 10 प्रतिशत क्रॉस वेरिफिकेशन करते हुए सत्यापन की गुणवत्ता का परीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं। जिसके आधार पर जीवित पेंशनर्स को मृतक दर्शाए जाने वाले सत्यापनकर्ता अधिकारी और कर्मचारी के खिलाफ जिलाधिकारी द्वारा दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। विभागीय अधिकारियों द्वारा यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सत्यापन समयबद्ध और गुणवत्तापरक हो। जीरो पावर्टी अभियान के अंतर्गत प्रदेश सरकार द्वारा हर गांव से 25 परिवार चिन्हित किए गए हैं, जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं, इन परिवारों को समाज की मुख्य की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए समाज कल्याण विभाग ने कार्यवाही शुरू कर दी है। चिन्हित परिवारों के 60 वर्ष या उससे अधिक आयु वर्ग के वृद्धजनों को भी सत्यापन के दौरान पात्रता के अनुसार आवेदन करवाए जाएंगे और उनको लाभ दिलवाया जाएगा। उन्हें जून माह से प्रथम किश्त की पेंशन दी जाएगी।इस योजना को पारदर्शी बनाने के लिए तकनीक का प्रयोग कर कई ठोस कदम उठाए गए हैं। इसके लिए लाभार्थियों को समय से पेंशन का भुगतान सुनिश्चित करवाने के लिए उनके आधार प्रमाणीकरण की कार्यवाही की जाती है। लाभार्थियों के आधार और मोबाइल नंबर को बैंक खातों से लिंक करवाया जाता है। एकीकृत पोर्टल के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाता है कि एक व्यक्ति किसी एक पेंशन में ही लाभ प्राप्त कर सके।

कोखराज पुलिस द्वारा भ्रमण कर चौपाल लगाकर बच्चियों महिलाओं को नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलम्बन कार्यक्रम के बारे में किया गया जागरूक

कौशाम्बी। मिशन शक्ति अभियान (फेज-05) के अन्तर्गत आज दिनांक 20.04.2025 को पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी श्री बृजेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में जनपद के विभिन्न थानों के महिला बीट उपनिरीक्षकों/ आरक्षियों द्वारा चौराहों/ बस स्टैण्ड/ टैक्सी स्टैण्ड/ जिला अस्पताल/गांव व कस्बा में भ्रमण कर/चौपाल लगाकर मिशन शक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस क्रम में थाना कोखराज पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्रांतर्गत भ्रमण कर/चौपाल लगाकर बच्चियों/महिलाओं को नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलम्बन कार्यक्रम के बारे में जागरूक किया गया तथा उनके प्रति होने वाले किसी भी अपराध एवं संबंधित अपराधियों के बारे में तत्काल पुलिस एवं शक्ति मित्र महिला पुलिसकर्मियों अथवा थानों में बने महिला हेल्प डेस्क पर सूचना देने के लिए जागरूक किया गया । महिलाओं एवं बच्चियों को पम्पलेट वितरित कर विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के बारे में जैसे- (1) 1076 मा० मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, (2) 1090 वीमन पावर हेल्पलाइन, (3) 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन, (4) 102 स्वास्थ सेवा, (5)108 एंबुलेंस सेवा, (6) 1098 चाइल्ड हेल्प लाइन, (7) 181 वन स्टाप सेन्टर, तथा (8) 112 पुलिस आपात कालीन सेवा आदि के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया तथा इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन का मोबाइल पर उपयोग करने हेतु डेमो दिखाया गया एवं महिला अपराध आदि की जानकारी देते हुए उनके अधिकारों के प्रति जागरुक किया गया तथा सरकार द्वारा जारी विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं (1)सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना (2)मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना(3)अभ्युदय योजना (4) मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना (5) निराश्रित महिलाओं को पेंशन योजना (6)राष्ट्रीय पोषण मिशन योजना (7) आयुष्मान योजना आदि के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गयी।

सम्पादकीय

शिक्षा में नवाचार का अनूठा प्रयोग है- 'नीलबाग'

स्कूल की मान्यता थी कि किसी भी गतिविधि का अपना अनुशासन होता है। यानी प्रत्येक वस्तु की अपनी प्रकृति होती है, उसका अपना अनुशासन होता है। उदाहरण के लिए गीली मिट्टी के साथ सही तरह का व्यवहार करना, जिससे वह तिड़के नहीं और टेढ़ी-मेढ़ी भी न हो और जो भी आकृति हम बनाना चाहते है, बना पाए। स्वयं सामग्री का अपना अनुशासन होता है।

आजादी के बाद देश में शिक्षा के क्षेत्र में कई नवाचार हुए हैं, उनमें से एक है कर्नाटक का नीलबाग स्कूल। यह सत्तर- अस्सी के दशक में चलने वाला बहुत ही अनूठा प्रयोगशील ग्रामीण स्कूल था। इसकी शुरूआत एक ब्रिटिश शिक्षाविद् डेविड ऑसबरॉ ने की थी। आज भी इस स्कूल को शिक्षा के क्षेत्र में बहुत सम्मान से याद किया जाता है। इस कॉलम में इसकी कहानी बताना चाहूंगा, जिससे शिक्षा को समग्रता से समझा जा सके।

डेविड ऑसबरॉ, अंग्रेज थे। वे दूसरे विश्व युद्ध के दौरान रॉयल एयर फोर्स में भरती हुए और भारत आए। उस समय वे भारत में ग्रामीण इलाके में रहे और उन्हें यहां के लोगों से नजदीकी से जुड़ने व उनके जीवन में झांकने का मौका मिला। युद्ध के बाद वे वापस अपने देश चले गए। लंदन में पढ़ाई पूरी की और फिर भारत आ गए। डेविड ने कृष्णमूर्ति फाउंडेशन के ऋ षि वैली स्कूल में पढ़ाने का काम किया। बाद में नीलिगरी के ब्लू माउंटेन स्कू ल गए, और फिर मैसूर में अंग्रेजी महाविद्यालय शुरू किया।

मद्रास में गरीब बच्चों के लिए किताबें बनाई। ब्रिटिश काउंसिल में काम किया। और आखिर कर्नाटक के कोलार जिले में नीलबाग स्कूल शुरू किया और अंत तक इसी स्कूल को चलाते रहे। वर्ष 1984 में उनका निधन हो गया। 3-4 साल तक उनके बेटे व परिवार ने इसे चलाने की कोशिश की पर वे असफल रहे।

लेकिन नीलबाग स्कूल कैसा था, क्यों इसे शिक्षा के क्षेत्र में याद किया जाता है। मुझे इस स्कूल के बारे में शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत अरविंद गुप्ता ने बताया। मैंने उनके द्वारा संपादित किताब 'नीलबाग के डेविड' पढ़ी। डेविड, एक प्रयोगशील शिक्षक थे। यह स्कूल उनकी कर्मस्थली भी थी। इस स्कूल के मकान बनाने से लेकर खेती और स्कूली पाठ्यक्रम का विचार उनका अपना था।

डेविड, एक शिक्षाविद्, प्रयोगशील शिक्षक, लेखक और संवेदनशील कवि थे। वे लकड़ी व मिट्टी के काम में भी पारंगत थे। संगीत मर्मज्ञ थे। उनके बहुआयामी व्यक्तित्व ने ही इस स्कूल को गढ़ा और नया स्वरूप दिया। इस स्कूल के भवन प्रसिद्ध वास्तुकार लॉरी बेकर ने बनाए थे। लॉरी बेकर, स्थानीय सामग्री से और कम कीमत में मकान बनाने के लिए जाने जाते हैं। यह स्कूल कई मायनों में अनूठा था। यहां एक शिक्षक, एक कक्षा जैसा कुछ नहीं था। बल्कि कक्षा में सभी आयु के बच्चे एक साथ बैठ सकते थे। परीक्षा प्रणाली का कोई अस्तित्व नहीं था। यहां न तो कोई परीक्षा होती थी, और न ही किसी तरह कोई बंधन था। कोई प्रतिस्पर्धा नहीं थी।

राज्यपालों की राजनीति: राजनीति के राज्यपाल

- रमाकांत नाथ

तमिलनाडु में राज्यपाल द्वारा रोके गए विधेयक मुख्यतः राज्य के विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति से संबंधित विधायी अधिनियमों में संशोधन पर थे। यदि ऐसा कोई विधायी अधिनियम नहीं बनाया गया तो स्वाभाविक है कि राज्य में उच्च शिक्षा प्रणाली में अराजकता फैल जाएगी। केंद्र सरकार ने तमिलनाडु में उच्च शिक्षा प्रणाली को भ्रष्ट करने में भूमिका निभाई है।

भारत में संवैधानिक प्रावधानों के उल्लंघन का ताजा उदाहरण हाल का सुप्रीम कोर्ट का वह ऐतिहासिक फैसला है जिसमें कहा गया है कि राष्ट्रपति संसद या राज्य विधानसभा में पारित किसी भी विधेयक को तीन महीने से अधिक समय तक रोककर नहीं रख सकते। इसके साथ ही अदालत ने पारित विधेयक को कानून का दर्जा देने की समय सीमा तय कर दी है। कुछ लोग इसे विधायिका पर न्यायपालिका का हस्तक्षेप कह सकते हैं, लेकिन राष्ट्रपति और राज्यपाल भारतीय संवैधानिक व्यवस्था से बाहर नहीं हैं, न ही वे लोकतंत्र से ऊपर हैं। इसलिए, राष्ट्रपति और राज्यपाल विधेयक को रोकने के लिए अपने 'पॉकेट वीटो' का उपयोग नहीं कर सकते।

415 पन्नों के अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि राष्ट्रपति किसी भी राज्य से आने वाले विधेयक को प्राप्ति की तारीख से तीन महीने के भीतर मंजूरी देंगे। यदि उक्त बिल के संबंध में कोई समस्या हो तो इसकी सूचना संबंधित राज्य को दी जा सकती है। इसी प्रकार, राज्यपाल मंत्रिपरिषद की सलाह पर कार्य करेंगे तथा अपने विवेक से विधेयक को रोकने के लिए 'पॉकेट वीटो' का प्रयोग नहीं कर सकेंगे। यदि ऐसा कोई मामला सामने आता है तो संबंधित राज्य सरकार कानून की शरण ले सकती है और संवैधानिक पीठ मामले की सुनवाई करेगी। यद्यपि भारतीय संविधान के अनुच्छेद - 200 में राज्यपाल और राष्ट्रपति के लिए विधेयक पारित करने की कोई समय सीमा निर्दिष्ट नहीं की गई है, फिर भी राष्ट्रपति और राज्यपाल अपनी इच्छा से विधेयक को रोक नहीं सकते।

फैसले में कहा गया है कि अगर इस आदेश का उल्लंघन होता है तो सुप्रीम कोर्ट इसकी समीक्षा कर सकता है। संविधान के अनुच्छेद - 201 के तहत सर्वोच्च न्यायालय ने अपने विशेषाधिकार के आधार पर विधेयक पारित करने के लिए समय सीमा निर्धारित की है। संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार, राज्यपाल और राष्ट्रपति के पास आने वाले विधेयक उनकी मंजूरी के बाद कानून बन जाते हैं। राष्ट्रपति और राज्यपाल संसद या विधानसभा द्वारा पारित किसी भी विधेयक को लौटा सकते हैं या विधेयक पर अपने विचार व्यक्त कर सकते हैं, लेकिन उन्हें विधेयक को वर्षों तक अपने पास नहीं रखना चाहिए। यदि राष्ट्रपति या राज्यपाल द्वारा भेजा गया कोई विधेयक उनके पास वापस आता है, तो वे उस विधेयक को स्वीकृत करने के लिए बाध्य हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट किया है कि राज्यपाल को दूसरी बार आने वाले विधेयक को एक महीने में मंजूरी देनी ही होगी।

गौरतलब है कि राज्यपाल आरएन रवि के पास 2020 से तमिलनाडु राज्य विधानसभा द्वारा पारित लगभग 12 विधेयक लंबित थे। 2023 में तमिलनाडु की 'द्रविड मुनेत्र कषगम' (डीएमके) सरकार द्वारा राज्यपाल के असहयोग के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में मामला दायर किया गया था। इस मामले की सुनवाई करके सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय लोकतंत्र में नई जान फूंक दी है। इसी प्रकार पश्चिम बंगाल और केरल सरकारों द्वारा 2024 में तथा तेलंगाना और पंजाब सरकारों द्वारा 2023 में सर्वोच्च न्यायालय में इसी प्रकार के मामले दायर किए गए थे। इन संवैधानिक संकटों की वजह यह है कि इन सभी राज्यों में केंद्र की 'भारतीय जनता पार्टी' की विरोधी सरकारें हैं। नतीजे में राज्यों में राज्यपाल राज्य मंत्रिपरिषद की सलाह पर काम करने की बजाय केंद्र सरकार के निर्देश पर काम कर रहे हैं।

सर्वोच्च न्यायालय के इस फैसले के बाद भारतीय लोकतंत्र में एक ऐतिहासिक घटना घटी है। तमिलनाडु राज्य सरकार ने राज्यपाल या राष्ट्रपति की मंजूरी के बिना, राज्य विधानसभा द्वारा पारित 10 विधेयकों को सीधे कानून बना दिया है। सर्वोच्च न्यायालय के फैसले और तमिलनाडु राज्य सरकार के काम का असर अब पंजाब, केरल, कर्नाटक, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में भी देखा जा सकता है।

तमिलनाडु में राज्यपाल ने पिछली अन्नाद्रमुक सरकार के दो और द्रमुक सरकार के 10 विधेयक, जो 2020 से 2023 के बीच पारित हुए थे, अपने पास रख लिए तथा दो विधेयक राष्ट्रपति के पास भेज दिए। राज्यपाल के व्यवहार के विरोध में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने 2023 में विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया और पिछले विधेयकों को फिर से पेश किया। राज्य में डीएमके सरकार के सत्ता में आने के बाद राज्यपाल ने कई विधेयक लौटा दिए थे, जबकि 'राष्ट्रीय पात्रता व प्रवेश परीक्षा' (नीट) विरोध का विधेयक विधानसभा में दूसरी बार राज्यपाल के पास गया और राज्यपाल ने इसे राष्ट्रपति के पास भेज दिया। संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार, राज्यपाल को दूसरी बार उनके पास भेजे गए विधेयक को मंजूरी देने की बाध्यता होती है, लेकिन जिस आधार पर तमिलनाडु के राज्यपाल ने विधेयक राष्ट्रपति के पास भेजा, उस पर सवाल उठ खड़े हुए हैं।

तमिलनाडु में राज्यपाल द्वारा रोके गए विधेयक मुख्यतः राज्य के विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति से संबंधित विधायी अधिनियमों में संशोधन पर थे। यदि ऐसा कोई विधायी अधिनियम नहीं बनाया गया तो स्वाभाविक है कि राज्य में उच्च शिक्षा प्रणाली में अराजकता फैल जाएगी। केंद्र सरकार ने तमिलनाडु में उच्च शिक्षा प्रणाली को भ्रष्ट करने में भूमिका निभाई है, लेकिन चूंकि स्टालिन सरकार इस तरह के अन्याय के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट गई थी, इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने लोकतंत्र की रक्षा की।

इसी प्रकार, केरल राज्य सरकार ने भी अपने राज्यपाल के राज्य-विरोधी कार्यों के विरुद्ध सर्वोच्च न्यायालय की शरण ली है। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने आरोप लगाया है कि राज्यपाल ने 2023 से छह विधेयकों को लंबित रखा है। केरल सरकार पूर्व राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और उनके बाद आए राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर के कामकाज से असंतुष्ट रही है। राज्यपाल अर्लेकर के पास लंबित छह विधेयकों में से पांच राज्य के विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक हैं, जबकि एक 'समबाय समिति' (सहकारी समिति) संशोधन विधेयक है।

पश्चिम बंगाल सरकार और केंद्र के बीच विवाद लंबे समय से चल रहा है। पूर्व राज्यपाल और अब देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के कार्यकाल में ममता बनर्जी सरकार को कई विवादों का सामना करना पड़ा। राज्य सरकार के मौजूदा राज्यपाल सीवी आनंद बोस के साथ भी रिश्ते मधुर नहीं हैं जिन्होंने 23 महीने से 8 विधेयकों को रोका है। इन विधेयकों में से सात राज्य विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति से संबंधित संशोधन हैं, जबकि एक शहरी विकास या नगर नियोजन से संबंधित है। यदि राज्यपाल वर्षों तक विधेयक को अपने पास रखेंगे तो राज्य सरकार कैसे काम करेगी? पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्यपाल के असहयोग के खिलाफ जुलाई 2024 में सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है।

पंजाब के राज्यपाल के कामकाज को लेकर काफी विवाद रहा है। अक्टूबर 2023 से पंजाब की भगवंत मान सरकार तत्कालीन राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित के कार्यों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में है। राज्यपाल पुरोहित ने पंजाब विधानसभा में पारित चार विधेयकों को अपने पास रख लिया था। इनमें से तीन विधेयक दिसंबर 2023 तक राष्ट्रपति के पास भेजे जा चुके थे। एक साल से अधिक हो जाने के बावजूद राष्ट्रपति ने इन विधेयकों को मंजूरी नहीं दी। ये विधेयक- 'पंजाब गुरुद्वारा संशोधन विधेयक,' 'पुलिस प्रणाली संशोधन विधेयक' और 'विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक' हैं।

कर्नाटक में राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने राज्य विधानसभा द्वारा पारित दो विधेयकों को लंबे समय से अपने पास रखा, जबकि पांच अन्य विधेयकों को राष्ट्रपति के पास भेज दिया।

राज्य विधानसभा द्वारा हाल ही में पारित 20 विधेयक राज्यपाल के पास लंबित हैं। राज्यपाल ने इनमें से 7 विधेयक लौटा दिए हैं। कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार है और सिद्धारमैया मुख्यमंत्री हैं। केंद्र की भाजपा सरकार इस सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कर रही है। यही कारण है कि राज्यपाल ने महत्वपूर्ण विधेयकों को या तो रोक दिया है या असंवैधानिक रूप से उन्हें राष्ट्रपति के पास भेज दिया है। तेलंगाना में भी इसी तरह की अस्थिरता पैदा की जा रही है। चूंकि यहां भी कांग्रेस सत्ता में है, इसलिए केंद्र की भाजपा सरकार इस सरकार के प्रति भी असहयोगात्मक व्यवहार कर रही है। 2022 से तत्कालीन राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन ने तेलंगाना राज्य विधानसभा द्वारा पारित 10 विधेयक अपने पास रखे। तेलंगाना में पहले 'तेलंगाना राष्ट्र समिति' का शासन था और दिसंबर 2023 से वहां कांग्रेस की सरकार सत्ता में है।

मोदी का नया मंत्र: देरी विकास का दुश्मन

उमेश चतुर्वेदी ।

लंबे समय तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहते प्रधानमंत्री मोदी ने तंत्र की इस खामी को समझा था। सबसे पहले इस कमजोरी पर काबू पाने की उन्होंने गुजरात में कोशिश की और देश की कमान संभालने के बाद उन्होंने तंत्र से इस खामी को दूर करने की कोशिश की।

अमेरिकी लेखक जय एम फिनमैन की अमेरिकी बीमा कंपनियों के कामकाज को लेकर कुछ साल पहले एक पुस्तक आई थी, डिले, डिनाय, डिफेंड...अंग्रेजी के इन तीन शब्दों का अर्थ है टालना, इनकार करना और बचाव करना। इस पुस्तक में फिनमैन ने साबित किया है कि किस तरह बीमा कंपनियां दावों को टालती हैं, देने से इनकार करती हैं और फिर अपने फैसले का बचाव करती हैं। नौकरशाही से जिनका पल्ला पड़ता रहता है, उन्हें भी पता है कि नौकरशाही किस तरह फैसलों को टालती हैं, उनके हिसाब से योजना नहीं हुई तो उससे आगे बढ़ाने से इनकार कर देती है और आखिर में उस योजना का पलीता ही लगा देती है। इस देर और इनकार की कीमत आखिरकार जनता को चुकानी पड़ती है। अव्वल तो तय समय पर लोगों को सहूलियतें मिल ही नहीं पाती। लेकिन जब किसी वजह से परियोजना पर काम चलता भी है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है, उसकी लागत खर्च बढ़ चुकी होती है। आखिरकार इसकी कीमत देश को ही चुकानी पड़ती है।

लंबे समय तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहते प्रधानमंत्री मोदी ने तंत्र की इस खामी को समझा था। सबसे पहले इस कमजोरी पर काबू पाने की उन्होंने गुजरात में कोशिश की और देश की कमान संभालने के बाद उन्होंने तंत्र से इस खामी को दूर करने की कोशिश की। प्रधानमंत्री का यह कहना कि देरी विकास का दुश्मन है और हमारी सरकार इस दुश्मन को हराने के लिए प्रतिबद्ध है, उनकी इसी सोच को जाहिर करता है। बीते दिनों एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने परियोजनाओं में देरी को देश के विकास की बड़ा रोड़ा बताया है। अपने संबोधन में उन्होंने स्वीकार किया परियोजनाओं में देरी से प्रगति बाधित होती है, जबकि तात्कालिक कार्रवाई से विकास को बढ़ावा मिलता है। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में असम के बोगीबील पुल परियोजन का उदाहरण दिया, जिसकी आधारशिला 1997 में तत्कालीन प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने रखी थी, बाद में सत्ता संभालते ही अटल बिहारी वाजपेयी ने इसका काम शुरू कराया। लेकिन बाद की सरकारों के दौरान पता नहीं किन वजहों से इस परियोजना का काम रोक दिया गया। जिसकी वजह से अरुणाचल प्रदेश और

असम के लाखों लोगों को परेशानियां झेलनी पड़ीं। इस योजना पर दोबारा काम मोदी सरकार के आने के बाद शुरू हुआ और चार साल में यह पुल बनकर तैयार हुआ और 2018 इसे जनता के लिए खोला गया। अगर इसी हिसाब से देखें तो यह काम 2001 या अधिक से अधिक 2002 में पूरा किया जा सकता था। लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

सत्ताएं बदलते ही कई योजनाएं रोक दी जाती हैं और राजनीतिक नफा-नुकसान को देखते हुए उन्हें ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। केरल की कोल्लम बाईपास सड़क परियोजना को इसके उदाहरण के रूप में रखा जा सकता है। यह योजना 1972 में शुरू होनी थी, लेकिन नहीं हुई। तकरीबन पचास साल तक यह योजना लटकी रही। यह बात और है कि इस काम को मोदी सरकार ने ही पूरा किया।

प्रधानमंत्री मोदी जब भी कोई नया काम शुरू करते हैं या देश के सामने कोई लक्ष्य रखते हैं, तो वे नया नारा भी गढ़ते हैं। ह्यदेरी विकास का दुश्मन हैह्न इस कड़ी में नया नारा है। देश में ऐसी कई परियोजनाएं मिल जाएंगी, जिन्हें तय वक्त तक पूरा नहीं किया जा सका। पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार को जोड़ने के लिए घाघरा नदी पर मांझी में एक पुल है। प्रसिद्ध कवि केदारनाथ सिंह ने इस पुल को केंद्र मे रखकर कविता ही रच डाली है। इस पुल का शिलान्यास जनता पार्टी के शासनकाल के राज्य मंत्री चांद राम ने शुरू किया और दशकों तक इसका काम नहीं हो पाया। अरसे बाद यह पुल बनकर तैयार हो पाया। परियोजनाओं में देरी की ऐसी ढेरों कहानियां पूरे देश में फैली हुई हैं। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में नवी मुंबई हवाई अड्डा परियोजना का भी इसी संदर्भ में उल्लेख किया है। देश की आर्थिक राजधानी के लिए बेहतर और सुगम हवाई सेवा की जरूरत से किसे इनकार हो सकता है। लेकिन नवी मुंबई में हवाई अड्डा बनाने की चर्चा साल 1997 में शुरू हुई। लेकिन उस परियोजना को ठीक दस साल बाद यानी 2007 में मंजूरी मिल पाई। लेकिन राजनीति और नौकरशाही से कोलाज वाले तंत्र की वजह से इस परियोजना पर ठोस रूप में काम नहीं हो पाया। प्रधानमत्री ने तो सीधे-सीधे इसके लिए इस दौरान केंद्र और महाराष्ट्र में काबिज रही कांग्रेस सरकारों को जिम्मेदार ठहराया। प्रधानमंत्री के अनुसार, कांग्रेस की सरकारों ने इस परियोजना में ना तो दिलचस्पी दिखाई, ना ही कोई कार्रवाई नहीं की। यह बात और है कि मोदी सरकार ने इस परियोजना के कामकाज में तेजी लाने की दिशा आगे बढ़ी है। उम्मीद की जा रही है कि जिस तरह दूसरी योजनाएं तेज गति से तय वक्त या उससे पहले पूरी हुई, उसी गति और तेजी से नवी मुंबई हवाई अड्डा परियोजना भी पूरा होगी। देश के आर्थिक विकास की नींव नरसिंह राव ने साल 1991 में रखी थी, जिनके सहयोग से तत्कालीन वित्त मंत्री मनमोहन सिंह ने उदारीकरण की गति को तेज किया था। देश की आर्थिकी को लाइसेंस राज और लालफीताशाही से दूर किया था। उस बदलाव का असर भी दिखा। लेकिन राजकाज की कमान जिस तंत्र के हाथों में रही, वह पुरानी मानसिकता से ग्रस्त रहा। प्रधानमंत्री मोदी के सत्ता संभालने के बाद इस मानसिकता को थोड़ी लगाम जरूर लगी है। यह बात और है कि इस मोर्चे पर अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। ह्यदेरी, विकास का दुश्मन हैह्न के प्रधानमंत्री के नए मंत्र का ही असर कहा जाएगा कि आर्थिक मोर्चे पर तय लक्ष्यों को हासिल करना आसान हुआ। आर्थिक मोर्चे पर बदलाव का ही असर है कि कुछ ही वर्षों में दुनिया की 11वें नंबर से भारतीय अर्थव्यवस्था पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है। दुनियाभर की विकास दर को कोरोना की महामारी ने बुरी तरह प्रभावित किया। आज की दुनिया के विकास का ईंधन एक तरह से जैविक ऊर्जा यानी पेट्रोल और डीजल है। अरब देशों के आपसी संघर्ष और रूस-यूक्रेन युद्ध के बावजूद भारत को पेट्रोलियम आपूर्ति में बाधा न पड़ना, चीन और अमेरिका के बीच जारी व्यापार युद्ध के बावजूद भारत की विकास दर में कमी ना आना, एक तरह के भारत के संकल्प का नतीजा है। बेशक इसके लिए राजनीतिक नेतृत्व जिम्मेदार है, लेकिन प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में इसका श्रेय युवाओं को दिया। उन्होंने कहा कि यह अभूतपूर्व बढ़ोतरी युवाओं की महत्वाकांक्षाओं और आकांक्षाओं से प्रेरित है। इससे दुनिया का भारत के प्रति नजरिया बदला है। पहले दुनिया मानती थी कि भारत धीरे-धीरे और लगातार प्रगति करेगा, उसी दुनिया को भारत अलग नजर आ रहा है। प्रधानमंत्री के शब्दों में कहें तो दुनिया अब देश को ह्यतेज और निडर भारतह्न के रूप में देख रही है। परियोजनाओं में देरी को विकास के दुश्मन के तौर पर प्रधानमंत्री का स्थापित करना एक तरह से राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं और आकांक्षाओं को संबोधित करना है। विश्व गुरू बनने की आकांक्षा हो या आर्थिक या दूसरी तरह वैश्विक महाशक्ति बनना, इन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए इसी सोच को हर स्तर पर ना सिर्फ आगे बढ़ाना होगा, बल्कि उसे राष्ट्रीय प्राथमिकता के तौर पर भी विकसित किया जाना होगा।

सबको पता है कि कई बार राजनीतिक कारणों से पहले की सरकारों की लाई या उनके द्वारा शुरू या जारी की गई योजनाएं लटका दी जाती हैं। लेकिन इसका एक दूसरा पक्ष भी है। कई बार नौकरशाही भी इस डिले, डिनाय और डिस्ट्राय यानी टालना, इनकार करना और खारिज करने के लिए जिम्मेदार होती है। आजादी के पचहत्तर साल बीतने के बावजूद नौकरशाही में यह मानसिकता बनी हुई है। अब भी तंत्र ऐसे ढेर सारे तत्व हैं, जो योजनाओं को लटकाने और टालने में भरपूर रूचि लेते हैं। एक तरह से ऐसी सोच वाला डीएनए तंत्र में फैला हुआ है। सरकारी तंत्र से जिनका रोजाना पल्ला पड़ता है, अक्सर वे भी फिनमैन जैसी ही सोच रखते हैं। आर्थिक मोर्चे पर भारत की सफलता दर अगर बढ़ी है तो उसके पीछे निश्चित तौर पर प्रधानमंत्री की दृष्टि है।

आज भी प्रासंगिक हैं अंबेडकर के विचार

- डॉ.अजीत रानाडे

क्या हम संवैधानिक नैतिकता के इस तरह के बिखरने को स्वीकार कर सकते हैं? संवैधानिक नैतिकता एक प्राकृतिक भावना नहीं है। इसकी भावना का बीजारोपण करना होगा। हमें यह महसूस करना चाहिए कि हमारे लोगों को अभी इसे सीखना बाकी है। भारत में लोकतंत्र भारतीय धरती पर केवल एक टॉप-ड्रेसिंग है जो अनिवार्य रूप से अलोकतांत्रिक है।'

देश में हाल ही में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135 वीं जयंती मनायी गयी। डॉ. अंबेडकर भारत के समाज और राजकीय व्यवस्था के लिए आज भी अत्यंत प्रासंगिक बने हुए हैं। समाज के सभी वर्ग और विशेष रूप से सभी राजनीतिक दल उनकी विरासत का दावा करने के लिए प्रयासरत रहते हैं। इस दावे की यह लड़ाई तेजी से कटु हो रही है। इसका मतलब यह नहीं है कि अंबेडकर सभी लोगों के लिए सब कुछ हो सकते हैं। इसका सीधा सा मतलब है कि लोग अपने स्वयं के हितों के अनुरूप उनके लेखन, भाषणों और कथनों का इस्तेमाल करते हैं। अंबेडकर को समझने, उनकी व्याख्या करने या उन पर रिपोर्ट देने का सबसे अच्छा तरीका है कि उनके मूल लेख को उद्धृत किया जाए। अंबेडकर को पढ़ना और बार-बार पढ़ना निश्चित रूप से लाभकारी है जो नई अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। यह भी उल्लेखनीय है कि वे अपने लेखन और भाषणों में कितने दूरदर्शी थे।

उदाहरण के लिए, संविधान को अपनाने से ठीक दो महीने पहले, 26 नवंबर, 1949 को संविधान सभा के समापन सत्र में उनके सबसे प्रसिद्ध भाषणों में से एक का जिक्र करें। उस भाषण के अंतिम भाग में वे कहते हैं- 'हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इस स्वतंत्रता ने हम पर बड़ी जिम्मेदारियां डाल दी हैं। आजादी के बाद कुछ भी गलत होने के लिए अंग्रेजों को दोषी ठहराने का बहाना हमने खो दिया है। अगर इसके बाद चीजें गलत हो जाती हैं तो हम अपने को छोड़कर किसी और को दोषी नहीं ठहरा सकेंगे।'

इसके बाद उन्होंने भारत के नवजात लोकतंत्र के लिए तीन जबरदस्त खतरों का उल्लेख किया। पहला है, राजनीति में नायक-पूजा या व्यक्तित्व पंथ बनाने की प्रवृत्ति। उन्होंने कहा, 'भारत में भक्ति या जिसे नायक-पूजा का मार्ग कहा जा सकता है, राजनीति में एक भूमिका निभाती है जिसकी तुलना दुनिया के किसी भी अन्य देश की राजनीति में नहीं होती है। धर्म में भक्ति, आत्मा के उद्धार का मार्ग हो सकती है लेकिन राजनीति में, भक्ति या नायक-पूजा पतन और अंततः तानाशाही के लिए एक निश्चित मार्ग है'। ये शब्द आज पहले से कहीं अधिक सच हैं। यह भी विडंबना है कि जिस व्यक्ति ने पंथ पूजा के खिलाफ चेतावनी दी थी, वह स्वयं पंथ पूजा की वस्तु बन गया है। वर्तमान परिदृश्य में डॉ. अंबेडकर की कोई भी आलोचना असहनीय होती जा रही है। अंबेडकर का गणतंत्र आहत भावनाओं के गणतंत्र में परिवर्तित हो रहा है जो जरा सी कथित धमकी होने पर आपराधिक मुकदमा चलाने को आमंत्रित करता है।

अंबेडकर ने जिस दूसरे खतरे की ओर इशारा किया, वह यह चेतावनी थी कि संविधान में निहित राजनीतिक समानता बढ़ती सामाजिक और आर्थिक असमानता के साथ उत्तरोत्तर असंगत होती जा रही है। उन्होंने एक सामाजिक लोकतंत्र की वकालत की थी जिसका अर्थ है 'जीवन का एक तरीका जो (बुनियादी) सिद्धांतों के रूप में स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व को मान्यता देता है'। उन्होंने चेतावनी दी कि खतरा यह है कि अगर बढ़ती (सामाजिक और आर्थिक) असमानता को दूर करने के लिए कुछ नहीं किया गया तो वे लोग जो वंचित और उत्पीड़ित थे, वे लोकतंत्र की शानदार इमारत को उड़ा देंगे जिसे उसके संस्थापकों ने इतनी मेहनत से बनाया था। उन्होंने यह चेतावनी नक्सली हिंसा की पहली घटना से लगभग 20 साल पहले दी थी। नक्सली हिंसा की शुरूआत 1960 के दशक के अंत में हुई जो हाल के दिनों में तेजी से बढ़ी है। हमारे चारों ओर हर जगह आर्थिक असमानता के साथ लोकतांत्रिक समानता की विसंगति के उदाहरण हैं। बढ़ते कल्याणकारी राज्य की संकल्पना और मुफ्त उपहार या सब्सिडी जो भी उन्हें कहा जाता है, अमीरों पर कर लगाकर असमानता की खाई को पाटने का एक कमजोर प्रयास है। अमेरिका में ट्रम्प का दूसरी बार राष्ट्रपति बनना लोकतांत्रिक अमेरिका में पूंजीवादी व्यवस्था की विफलता के कारण बढ़ती आर्थिक असमानता को दूर करने के लिए है। ट्रम्प का समर्थन काफी हद तक उस वर्ग से आता है जिसकी पारिवारिक आय, जीडीपी का आकार बढ़ने और शेयर बाजार की संपत्ति बढ़ने के बावजूद दशकों से स्थिर है। यूके में 2016 ब्रेक्सिट वोट भी मुख्य रूप से उन लोगों द्वारा किया गया था जो यह महसूस करते थे कि वे वैश्वीकरण की ताकतों द्वारा पीछे छोड़ दिए गए हैं।

अंबेडकर ने 1949 के उस भाषण में जिस तीसरे खतरे का उल्लेख किया था, वह है संवैधानिक तरीकों की पवित्रता की रक्षा करने की आवश्यकता। उन्होंने कहा कि हमें सविनय अवज्ञा, असहयोग और सत्याग्रह के तरीकों को छोड़ देना चाहिए क्योंकि उनके अनुसार ये कानून और व्यवस्था की अस्वीकृति के अलावा और कुछ नहीं थे। उन्होंने मॉब लिंचिंग, सतर्कता न्याय, एनकाउंटर किलिंग और बुलडोजर न्याय जैसे संविधानेत्तर तरीके भी जोड़े होते क्योंकि उनकी नजर में उनके गढ़े एक वाक्यांश के अनुसार ये विधियां और कुछ नहीं बल्कि 'अराजकता का व्याकरण' हैं। यदि लोग इन तरीकों को अपनाते हैं तो यह न केवल संविधान की विफलता होगी बल्कि सत्ता की भी विफलता होगी। संविधान के क्रियान्वयन करने के लिए राज्य के अंगों- न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका के कार्य की आवश्यकता है।

सिंचाई विभाग की लापरवाही से सिर्फ नक्शे पर रह जाएगा अरछा बरेठी?

- पलायन को मजबूर ग्रामीण
- सिंचाई विभाग बेखबर
- शासन से पिचिंग की मांग

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। विकास खंड पहाड़ी में मंदाकिनी नदी के किनारे बसा गांव अरछा बरेठी आज बाढ़ की त्रासदी का पर्याय बन गया है। हर साल बरसात के साथ आने वाली बाढ़ यहां न केवल मिट्टी काटती है, बल्कि लोगों के जीवन की बुनियाद भी बहा ले जाती है। अब तक सैकड़ों मकान नदी की धार में समा चुके हैं, और जो बचे हैं, वे हर बरसात अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं।

नदी किनारे बसा अरछा बरेठी गांव

गांव के समाजसेवी बीते दो वर्षों से लगातार शासन व प्रशासन से गुहार लगा रहे हैं कि गांव को बचाने के लिए नदी के किनारों की पत्थर से पिचिंग कराएं। लेकिन न तो शासन की संवेदनाएं जागीं और न ही सिंचाई विभाग की योजनाएं। नतीजा यह है कि कई ग्रामीण गांव छोड़ चुके हैं और जो रह गए हैं, उन्होंने खेतों में तंबू गाड़ लिए हैं। बताते हैं कि बरसात के समय जब मंदाकिनी उफान पर होती है, तो उसका सबसे पहला वार अरछा बरेठी पर होता है। नदी के किनारे बने घर पहले मिट्टी खोते हैं, फिर नींव और फिर पूरा मकान जमींदोज हो जाता है। बाढ़ का पानी जितनी तेजी से आता है, उतनी ही बेरहमी से जिंदगियों को उखाड़कर ले जाता है। स्थानीय प्रशासन के पास समस्याएं दर्ज हैं, परंतु समाधान की पहल अब तक नहीं हुई। चिंताजनक बात यह है कि सिंचाई विभाग इस पूरे संकट से बेखबर बना हुआ है। न कोई सर्वे, न कोई प्रस्ताव और न कोई फौरी राहत। यह आरोप प्रमुख समाजसेवी शंकर प्रसाद यादव ने लगाए है।

क्या पिचिंग से बच सकता है गांव?

विशेषज्ञों की मानें तो यदि समय रहते नदी के किनारे पत्थरों की मजबूत पिचिंग करा दी जाए, तो मिट्टी का कटाव रोका जा सकता है। इससे जहां बचे-खुचे घर सुरक्षित रहेंगे, वहीं भविष्य में गांव का अस्तित्व भी बच पाएगा। वरना जिस रफ्तार से नदी गांव को निगल रही है, वह दिन दूर नहीं जब अरछा बरेठी सिर्फ नक्शे पर रह जाएगा।

जल संकट से जूझता पाठा : सूखे टंकियों व प्यासे गौवंश के बीच जल सत्याग्रह की चेतावनी

- प्यासे लोग, तड़पते मवेशी
- एक बूंद की क्रांतिः जल सत्याग्रह की दस्तक

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिले के मानिकपुर तहसील में आने वाले पाठा क्षेत्र में जल संकट विकराल होता जा रहा है। चूरेह, केशरुआ, सुखरामपुर, हरिजनपुर, कल्याणपुर, ऊंचडीह, करका, पडरिया, बहिलपुरवा जैसे आदिवासी बहुल गांवों की स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि लोग एक-एक बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। इसी संकट को लेकर ग्रामीणों ने एसडीएम मानिकपुर को ज्ञापन सौंपते हुए-जल है तो कल है- अभियान के अंतर्गत चेतावनी दी कि यदि जल्द ही ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो क्षेत्रवासी शांतिपूर्ण जल सत्याग्रह आंदोलन शुरू करने को विवश होंगे।

ग्रामीणों के भ्रमण व निरीक्षण में खुलासा हुआ कि जल जीवन मिशन में जो पाइपलाइनें बिछाई गई थीं, वे आज ध्वस्त पड़ी हैं। अधिकांश गांवों में समय से पानी नहीं आता, टंकियाँ सूखी पड़ी हैं, और जमीन का जलस्तर इतना नीचे चला गया है कि अब 300 से 400 फीट गहराई पर भी मुश्किल से पानी मिल रहा है। चिंताजनक पहलू यह है कि पेयजल संकट के चलते गौवंश की भी अकाल मृत्यु हो रही है। न तो इंसानों को पीने का पानी उपलब्ध है, न मवेशियों को जीवनदायी जल। सरकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत की पोल इस संकट ने खोल दी है। ज्ञापन देने वालों में कोमल सिंह सूर्यवंशी, लवकुश भारती, पिंटू भारती, पुष्पेंद्र भारती, नवीन भारती, शहंशाह, एड. कौशल किशोर, अमित भारती समेत लगभग 25-30 लोग मौजूद रहे। इन सभी ने प्रशासन से मांग की कि क्षेत्र की जल संकट की समस्या को प्राथमिकता पर लिया जाए, नहीं तो मजबूरी में वे सत्याग्रह का रास्ता अपनाएंगे।

नवजात की मुस्कान पर निजी अस्पताल की वसूली भारी, मांगा 40 हजार

- डीएम ने दिए जांच के आदेश
- निजी अस्पताल ने बनाया बंधक?

अखंड भारत संदेश

मानिकपुर/चित्रकूट। एक ओर जहां सरकार मातृ-शिशु स्वास्थ्य को लेकर योजनाएं चला रही है, वहीं दूसरी ओर जमीनी हकीकत चौंकाने वाली है। मानिकपुर के चमरौंहा गांव के लवलेश कुमार ने जिला प्रशासन को शिकायत देते हुए आरोप लगाया है कि एक प्राइवेट अस्पताल ने डिलीवरी के बाद मां और नवजात को 40 हजार रुपए न देने पर बंधक बना लिया। मामला 17 अप्रैल की रात का है, जब लवलेश की पत्नी को प्रसव पीड़ा होने पर आशा कार्यकर्ता की मदद से सीएचसी मानिकपुर लाया गया। लेकिन डॉक्टरों ने गंभीर स्थिति में उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

इसी दौरान आशा कार्यकर्ता और सरकारी एम्बुलेंस कर्मी ने मऊ के प्राइवेट अस्पताल ले जाने की सलाह दी। वहां रात में ही ऑपरेशन से बच्चे का जन्म हुआ। लेकिन अगली सुबह अस्पताल प्रबंधन ने 40 हजार रुपये की मांग कर दी। लवलेश का कहना है कि वह इतने पैसे नहीं जुटा पा रहा है और जब तक रकम अदा नहीं होती, मां-बच्चे को छोड़ने से अस्पताल ने मना कर दिया है। वहीं डीएम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश दिए हैं। सीएमओ ने स्पष्ट किया है कि आशा कार्यकर्ता और एम्बुलेंस चालक से पूछताछ की जाएगी और दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई होगी। आगे बताया कि मां और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं, अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि 40 हजार की मांग की पुष्टि अभी नहीं हो सकी है।

भेड़ों की तस्करी में शामिल गिरोह का पर्दाफाश : 6 आरोपियों को हथियारों समेत दबोचा, 11 जिन्दा भेड़ें बरामद

अखंड भारत संदेश

पहाड़ी/चित्रकूट। जिले में सक्रिय भेड़ चोरी के गिरोह पर बड़ा प्रहार करते हुए थाना पहाड़ी पुलिस ने एक संगठित गिरोह का पदार्फाश किया है। एसपी अरुण कुमार सिंह के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण अभियान में प्रभारी निरीक्षक श्रीमती रीता सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने 6 आरोपियो को गिरफ्तार कर उनके पास से 11 जिन्दा भेड़ें, एक देशी तमंचा, दो जिन्दा कारतूस व दो चाकू बरामद किए हैं।

ज्ञात है कि 17 अप्रैल को ग्राम बरेठी निवासी वादी चुनकाई ने थाना पहाड़ी में तहरीर दी थी कि अज्ञात चोरों ने उसके जालीदार बाड़े से उसकी भेड़ों की चोरी कर ली है। इस

सामान समेत पुलिस गिरफ्त में आरोपी

पर पुलिस ने उचित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। अगले दिन पुलिस को सूचना मिली कि डोमनखेड़ा बाग के पास एक पिकअप डाला (यूपी 90 एटी 3762) में चोरी की भेड़ें लदी हुई हैं और एक एसयूव (यूपी 14 डीए 1177) सवार व्यक्ति उन्हें लेकर भागने की फिराक में है।

सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने घेराबंदी कर सभी छह आरोपियों- ऋषि कुमार वर्मा, विमल कुमार, धर्मेन्द्र कुमार उर्फ शुभम सविता, राहुल कुमार वर्मा, पंकज कुमार सविता और सचिन रैदास- को गिरफ्तार कर लिया। ऋषि कुमार के पास से एक तमंचा 315 बोर व दो कारतूस, विमल और धर्मेंद्र के पास से चाकू, तथा पिकअप डाला से 11 जिन्दा भेड़ें बरामद की गईं। गिरफ्तार सभी आरोपी बांदा जिले के बबेरू थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं और प्रथम दृष्टया एक संगठित गिरोह के रूप में कार्य कर रहे थे। बरामद भेड़ों की पहचान के बाद उन्हें वादी चुनकाई को सुपुर्द कर दिया गया है। इस पूरी कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक रीता सिंह, दारोगा प्रभुनाथ यादव, दारोगा अभिनव प्रताप सिंह, जंगबहादुर सिंह और अन्य पुलिसकर्मियों की सराहनीय भूमिका रही।

अब हर तिराहा-चौराहा रहेगा तीसरी आंख की निगरानी में

- पुलिस का सुरक्षा को बड़ा कदम
- स्मार्ट सुरक्षा, स्मार्ट शहर

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिले में अब हर तिराहा/चौराहा सुरक्षित होगा, क्योंकि यहां लगाए जा रहे हैं हाई-टेक सीसीटीवी कैमरे, जो न केवल ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त करेंगे, बल्कि अपराधों पर भी शिकंजा कसेंगे। शुक्रवार को जनसेवा इंटर कॉलेज के तिराहे पर राजापुर रोड, बस स्टैंड और गंगा जी रोड पर एसपी अरुण कुमार सिंह ने इन कैमरों का शुभारंभ किया गया। इस पहल का मकसद आमजन को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराना और शहर को अपराधमुक्त बनाना है।

अब शहर में अवैध खनन, ओवरलोडिंग, चोरी, छिनैती, देर रात तक पान के डिब्बे या अंडे के ठेलों पर जुटने वाले अराजक तत्वों और छात्राओं के साथ छेड़खानी करने वाले मनचलों की गतिविधियों पर तीसरी आंख की कड़ी नजर रहेगी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, भविष्य में शहर के सभी मुख्य तिराहों और चौराहों को कैमरों से लैस किया जाएगा, जिससे देर रात तक आने-

शहर के तिराहे पर लगा हाईटेक कैमरा

जाने वालों की निगरानी भी संभव हो सकेगी। पुलिस कंट्रोल रूम से इन कैमरों की सीधी निगरानी की जाएगी, जिससे किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई हो सकेगी। चित्रकूट पुलिस का यह प्रयास स्मार्ट सुरक्षा, स्मार्ट शहर की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

होटल के बहाने साइबर फांस, पुलिस ने बचाई आस

- पुलिस ने लौटाए 39 हजार
- दम्पत्ति ने की पुलिस की प्रशन्सा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। बढ़ते साइबर अपराधों के बीच जब लोग हर दिन डिजिटल जाल में फंस रहे हैं, तब चित्रकूट पुलिस का एक संवेदनशील और सतर्क कदम लोगों में भरोसे की नई किरण जगा रहा है। महाराष्ट्र से चित्रकूट घूमने आए एक वृद्ध दम्पत्ति साइबर ठगी का शिकार हो गए, लेकिन एसपी अरुण कुमार सिंह के निर्देश व अपर पुलिस अधीक्षक चक्रपाणि त्रिपाठी के पर्यवेक्षण में साइबर सेल ने तत्परता दिखाते हुए न सिर्फ मामला सुलझाया बल्कि वृद्ध दम्पत्ति के खाते में 39,182 रूपए की पूरी राशि वापस भी कराई।

बताया कि 9 नवंबर 2024 को हुई इस घटना में वृद्ध दम्पत्ति होटल बुकिंग के लिए ऑनलाइन साइट पर गए, जहां फर्जी वेबसाइट के माध्यम से उनसे ठगी की गई। दम्पत्ति ने तत्काल चित्रकूट पुलिस कार्यालय के साइबर सेल में इसकी शिकायत दर्ज कराई। प्रभारी निरीक्षक साइबर सेल निशिकान्त राय के नेतृत्व में आरक्षी प्रशांत कुमार एवं सर्वेश कुमार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तकनीकी विश्लेषण और विधिक प्रक्रिया के माध्यम से ठगी की गई राशि को ब्लॉक कर वृद्ध दम्पत्ति के खाते में वापस जमा करवा दिया। राशि वापस पाकर दम्पत्ति ने न सिर्फ चौन की सांस ली बल्कि चित्रकूट पुलिस की ईमानदारी, तत्परता और जनसरोकार की भावना की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

जानलेवा फायरिंग का आरोपी अवैध तमंचे संग गिरफ्तार

चित्रकूट। जिले में अपराध नियंत्रण की दिशा में लगातार मुस्तैदी दिखा रही पुलिस को एक और बड़ी सफलता हाथ लगी है। एसपी अरुण कुमार सिंह के निर्देश व एएसपी चक्रपाणि त्रिपाठी व सीओ नगर राजकमल के पर्यवेक्षण में कोतवाली कर्वी पुलिस ने जानलेवा फायरिंग के एक मामले में वांछित आरोपी को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया है। कोतवाली प्रभारी उपेन्द्र प्रताप सिंह के मार्गदर्शन में चौकी प्रभारी जिला कारागार रगौली दारोगा विजय बहादुर यादव और उनकी टीम ने रामसैया मंदिर के पास से आरोपी अमित सिंह पटेल पुत्र कल्याण सिंह निवासी कसहाई रोड कर्वी को गिरफ्तार किया। आरोपी के पास से एक तमंचा 315 बोर और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए।

गिरफ्तारी 16 अप्रैल को हुई घटना के सिलसिले में की गई है, जिसमें वादी हर्ष द्विवेदी पुत्र कौशल किशोर द्विवेदी ने पुलिस को बताया था कि वह अपने बाबा के साथ घर के बाहर बैठा था, तभी विपिन पाण्डेय, अमित सिंह पटेल और एक अज्ञात व्यक्ति गाली-गलौच करते हुए आए और जान से मारने की नीयत से फायर कर दिया। हर्ष ने समय रहते जमीन पर लेट कर अपनी जान बचाई और मौके से भाग निकला। आरोपी को गिरफ्तार करने वाली टीम में चौकी प्रभारी रगौली दारोगा विजय बहादुर यादव, चौकी प्रभारी खोह दारोगा सत्यमपति त्रिपाठी, सिपाही शुभम शर्मा, अदनान और संजय पाल शामिल रहे।

पुलिस गिरफ्त में आरोपी

थानों में भी जाति का बोलबाला? चित्रकूट मॉडल पर अखिलेश का सीधा वार

- राजनीतिक लहरें व भाजपा की चुप्पी
- अनिल प्रधान व अनुज ने किया समर्थन

चित्रकूट। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं, जिसमें उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में प्रशासनिक तैनातियों में जातिवाद हावी हो गया है। चित्रकूट जिले का उदाहरण देते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि जिले के 10 थानों में से 6 की कमान ठाकुर जाति के अफसरों को सौंपी गई है, जो कि सरकारी तंत्र में जातिवाद की बढ़ती पैठ को दशार्ता है। अखिलेश यादव ने इस मामले को लेकर अधिकारियों की सूची भी सार्वजनिक की, जिसमें एसपी अरुण कुमार सिंह,यातायात प्रभारी शैलेंद्र सिंह, सदर कोतवाल उपेन्द्र सिंह, पहाड़ी थाना प्रभारी रीता सिंह, राजापुर थाना प्रभारी प्रवीण सिंह और मानिकपुर थाना प्रभारी विजय सिंह का नाम शामिल था।

अखिलेश का कहना है कि भाजपा सरकार ने सत्ता में आते ही प्रशासनिक तैनातियों में जातिवाद को बढ़ावा दिया है। चुनौती दी कि अगर उनका आंकड़ा गलत है तो सरकार इसे सार्वजनिक करके सुधार कर दिखाए। उनके साथ चित्रकूट सदर विधायक अनिल प्रधान व समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अनुज यादव ने भी इस आरोप का समर्थन किया। अखिलेश यादव के इस बयान ने प्रदेश में एक नया राजनीतिक विमर्श शुरू कर दिया है। वह लगातार दो दिनों से इस मुद्दे को उठा रहे हैं, और इसे भाजपा सरकार की भ्रष्ट और जातिवादी नीति का उदाहरण मान रहे हैं। वहीं भाजपा की ओर से इस पर कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं आई है।

कामदगिरि परिक्रमा मार्ग पर चला महा सफाई अभियान

पॉलीथिन मुक्त तीर्थ बनाने का संकल्प

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। शासन के निर्देश पर नगर पालिका परिषद चित्रकूटधाम व कामदगिरि स्वच्छता समिति के संयुक्त तत्वावधान में कामदगिरि परिक्रमा मार्ग पर व्यापक स्तर पर महासफाई अभियान चलाया गया। नगर पालिका अध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता व अधिशासी अधिकारी लाल के नेतृत्व में यह अभियान न केवल सफाई तक सीमित रहा, बल्कि तीर्थयात्रियों व स्थानीय नागरिकों को जागरूक करने का भी माध्यम बना।

कामदगिरि स्वच्छता समिति के अध्यक्ष राकेश केसरवानी ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य परिक्रमा मार्ग को स्वच्छ और पॉलीथिन मुक्त बनाना है। कहा कि श्रद्धालुओं और दुकानदारों को जागरूक किया गया है कि वे प्रतिबंधित पॉलीथिन, थमाकौल, प्लास्टिक गिलास और चम्मच का प्रयोग न करें। स्वच्छ भारत मिशन के जिला कार्यक्रम प्रबंधक ने अपील की कि कामदगिरि मार्ग पर स्थित दुकानदार व घरों के लोग कचरा नगर पालिका की गाड़ियों में ही गीला और सूखा अलग-अलग कर-

कामदगिरी पर सफाई करते कर्मचारीगण

के दें। यदि कोई श्रद्धालु या दुकानदार मार्ग में कचरा फेंकता पाया जाता है तो उसके विरुद्ध जुमार्ना और विधिक कार्रवाई की जाएगी। अभियान में स्वच्छ भारत मिशन के जिला कार्यक्रम प्रबंधक शिवा कुमार, स्वच्छता समिति के अध्यक्ष राकेश केसरवानी, जितेंद्र केसरवानी, राजेंद्र त्रिपाठी, अंकुर केसरवानी, सफाई नायक जानकी कुशवाह, जिला कंप्यूटर ऑपरेटर राम कुमार समेत दर्जनों सफाई कर्मचारी सक्रिय रूप से शामिल हुए।

पड़ोसी पर युवती से छेड़छाड़ व धमकी का आरोप, पीड़िता ने पुलिस से की शिकायत

रैपुरा/चित्रकूट। थाना रैपुरा क्षेत्र में आने वाले ग्राम अगरहुंडा निवासी एक युवती ने अपने पड़ोसी पर छेड़छाड़, धमकी और अभद्रता का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता अन्तिमा पुत्री प्रेमचंद ने थानाध्यक्ष को प्रार्थना पत्र सौंपते हुए बताया कि 13 अप्रैल की शाम को जब वह अपने घर की छत पर थी, तभी गांव का दबंग पड़ोसी उसे गलत इरादे से घूरने लगा और धमकी दी कि यदि उसकी बात नहीं मानी तो वह जबरन उसे उठा ले जाएगा। पीड़िता का आरोप है कि युवक पिछले एक माह से उसे अलग-अलग तरीकों से परेशान कर रहा है। यही नहीं, जब उसने विरोध किया तो आरोपी के परिजन भी पीड़िता के घर पहुंचकर गाली-गलौज और अभद्र व्यवहार करने लगे। इससे पीड़िता और उसका परिवार भयभीत है। पीड़िता ने थानाध्यक्ष से इस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर कठोर कार्रवाई की मांग की है। मामले को संज्ञान में लेते हुए उच्च अधिकारियों ने प्रभारी निरीक्षक रैपुरा को प्रकरण की गहनता से जांच करने और आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

48 क्वार्टर अवैध देशी शराब समेत दो गिरफ्तार

राजापुर/चित्रकूट। एसपी अरुण कुमार सिंह के निर्देश व थानाध्यक्ष राजापुर प्रवीण सिंह के मार्गदर्शन में थाना राजापुर पुलिस ने दो अलग-अलग स्थानों से 48 क्वार्टर देशी शराब के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पहली कार्रवाई में दारोगा इमरान खां व सिपाही शुभम मिश्रा की टीम ने आरोपी अभिषेक सोनकर पुत्र बब्बू सोनकर निवासी हनुमानगंज थाना राजापुर को 24 क्वार्टर देशी शराब के साथ दबोचा। वहीं, दूसरी टीम दारोगा अनिल कुमार व सिपाही चन्दन विश्वकर्मा ने ओम प्रकाश पुत्र बब्बू सोनकर निवासी केवटरा थाना राजापुर को भी 24 क्वार्टर देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया।

नेपाल : स्कूल शिक्षा विधेयक के समर्थन में शिक्षकों का प्रदर्शन जारी

काठमांडू। नेपाल शिक्षक संघ ने रविवार को काठमांडू में प्रदर्शन किया। वे स्कूल शिक्षा विधेयक को मंजूरी देने की मांग कर रहे हैं।

नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली और प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष देवराज घिमिरे के हालिया आश्वासन के बाद भी शिक्षक संघ ने अपना विरोध जारी रखने का फैसला किया।

प्रमुख नेपाली दैनिक 'काठमांडू पोस्ट' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, नेपाल सरकार ने हाल ही में प्रदर्शन कर रहे शिक्षकों की मांगों पर विचार करने पर सहमति जताई। इसी मुद्दे पर सरकार ने 25 अप्रैल को संसद का सत्र भी बुलाया, जिसमें स्कूल शिक्षा विधेयक पारित किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री ओली ने शुक्रवार को काठमांडू में चल रहे शिक्षक आंदोलन का हल निकालने के लिए नेपाली शिक्षक परिसंघ (सीएनटी) के नेताओं से मुलाकात की। उन्होंने शिक्षक नेताओं से आंदोलन खत्म करने की अपील की और भरोसा दिलाया कि सरकार उनकी मांगें पूरी करने की पूरी कोशिश करेगी।

बैठक में शामिल एक व्यक्ति ने बताया कि प्रधानमंत्री ओली ने कहा, "विधेयक पर चर्चा करने के लिए संसद का सत्र तय समय से पहले बुलाया गया है। लेकिन मैं यह नहीं कह सकता कि यह कब पास होगा, क्योंकि इसका फैसला संसद ही करती है।" शुक्रवार शाम को स्पीकर घिमिरे ने भी शिक्षकों से मुलाकात की और भरोसा दिलाया कि वे इस विधेयक को जल्दी संसद में वोटिंग के लिए रखने को तैयार हैं।

महासंघ की सह-अध्यक्ष और संघर्ष समिति की संयोजक नानू माया परजुली ने कहा, "अध्यक्ष ने हमें बताया कि विधेयक संसद में पेश होने के अगले ही दिन वह उस पर वोटिंग कराने को तैयार हैं।"

परजुली ने कहा, "प्रधानमंत्री और स्पीकर से हुई बैठकों का माहौल अच्छा था, लेकिन हमने रविवार को प्रतीकात्मक विरोध जारी रखने का फैसला किया है। हम रविवार को बैठकर तय करेंगे कि आगे क्या करना है।" शनिवार दोपहर को हजारों शिक्षकों ने पहले की तरह अपना आंदोलन जारी रखा और तय किया कि रविवार को भी कुछ घंटों तक विरोध प्रदर्शन करेंगे। परजुली ने कहा, "हमारा विरोध सरकार के खिलाफ नहीं है, हम सिर्फ नए कानून के लिए अपनी मांग रख रहे हैं।" इसके अलावा, शिक्षकों ने आरोप लगाया कि अधिकारियों ने प्रधानमंत्री और मंत्रियों को गलत जानकारी दी, जिसकी वजह से उनकी मांगों पर ध्यान देने में देरी हुई।

महासंघ के एक पदाधिकारी ने कहा, "अधिकारियों ने गलत जानकारी दी है कि हमारी मांगें पूरी करने में 200 अरब रुपये लगेंगे, जबकि सच यह है कि इसकी लागत 13 अरब रुपये से ज्यादा नहीं होगी। अगर सब लोग ईमानदारी से काम करें, तो ये समस्या एक ही रात में सुलझ सकती है।"

रिपोर्टों के मुताबिक, 2 अप्रैल से काठमांडू के मैतीघर-नया बानेश्वर इलाके में चल रहे शिक्षकों के प्रदर्शन और धरने की वजह से देशभर में नामांकन अभियान पर बुरा असर पड़ा है। साथ ही, हाल ही में हुई माध्यमिक शिक्षा परीक्षा (एसईई) की कॉपियों की जांच जैसे जरूरी शैक्षणिक कामों में भी देरी हो रही है।

पुतिन की 'ईस्टर युद्धविराम' घोषणा पर ब्रिटेन की प्रतिक्रिया

लंदन। ब्रिटेन ने रूस से यूक्रेन में पूर्ण युद्ध विराम को लेकर प्रतिबद्धता जताने की अपील की। इससे पहले रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शनिवार को यूक्रेन में ईस्टर के अवसर पर 30 घंटे के एकतरफा युद्ध विराम की घोषणा की।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुतिन का ऐलान वाशिंगटन के उस बयान के बाद आया जिसमें कहा गया था कि अगर मॉस्को और कीव युद्ध रोकने की इच्छा जाहिर नहीं करते तो वह कुछ दिनों के भीतर शांति वार्ता छोड़ सकते हैं।

ब्रिटिश विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने शनिवार को कहा, "यूक्रेन ने पूर्ण युद्धविराम के लिए प्रतिबद्धता जताई है। हम रूस से भी ऐसा करने की अपील करते हैं।

" उन्होंने कहा कि युद्ध विराम से न्यायपूर्ण और स्थायी शांति के लिए बातचीत संभव हो सकेगी।

विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय ने अपने बयान में कहा, "अब समय आ गया है कि पुतिन अपने भयानक आक्रमण को समाप्त करके दिखाएं कि वह शांति के प्रति गंभीर हैं।"

बता दें रूसी राष्ट्रपति ने शनिवार को यूक्रेन में ईस्टर के मौके पर एकतरफा युद्धविराम की घोषणा की और रूसी सेना को शनिवार रात 8.30 बजे (आईएसटी) से रविवार के अंत तक युद्ध रोकने का आदेश दिया।

रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यूक्रेन रूस के उदाहरण का अनुसरण करेगा। हालांकि, उन्होंने रूस के जनरल स्टाफ के प्रमुख वालेरी गेरासिमोव को निर्देश दिया कि वे कीव की तरफ से युद्धविराम के किसी भी उल्लंघन को रोकने के लिए रूसी सैनिकों को स्टैंडबाय पर रखें।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक क्रेमलिन ने एक बैठक में कहा, "मानवीय विचारों के आधार पर, रूसी पक्ष ईस्टर युद्धविराम की घोषणा करता है। मैं इस अवधि के लिए सभी सैन्य गतिविधियों को रोकने का आदेश देता हूं।" उन्होंने कहा, "हम मानते हैं कि यूक्रेन हमारे उदाहरण का अनुसरण करेगा। हालांकि हमारे सैनिकों को शत्रु की तरफ से युद्धविराम के संभावित उल्लंघन और उकसावे जैसी किसी भी आक्रामक कार्रवाई को नाकाम करने के लिए तैयार रहना चाहिए।"

हूती विद्रोहियों का दावा, 'यमन पर अमेरिकी हवाई हमलों में तीन की मौत, 4 घायल'

सना। अमेरिका ने यमन की राजधानी सना और उसके आसपास के इलाकों में हवाई हमले किए। इन हमलों में तीन लोगों की मौत और चार के घायल होने की जानकारी दी गई है। अमेरिकी सेना ने सना और इसके पश्चिमी बाहरी इलाकों में 21 हवाई हमले किए। इनमें से एक हमला उत्तरी सना के अल-नहदा इलाके में हुआ, जहां दो लोगों की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। एक और हमला दक्षिणी सना के सफियाह इलाके में एक कब्रिस्तान के पास हुआ, जिसमें एक तीसरा व्यक्ति घायल हो गया। यह जानकारी हूती समूह के अल-मसीरा टीवी चैनल के हवाले से समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने दी है। हूती टेलीविजन के मुताबिक, सना के पश्चिमी बाहरी इलाके में स्थित बानी मातर जिले में हुए हवाई हमलों में एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। रिपोर्ट में यह साफ नहीं बताया गया है कि जो लोग मारे गए या घायल हुए, वे आम नागरिक थे या हूती विद्रोही। सना के लोगों के मुताबिक, हवाई हमलों में राजधानी के कई और इलाकों को भी निशाना बनाया गया। इनमें पूर्वी सना के माउंट नुकुम में स्थित अल-हफा सैन्य शिविर का हथियार डिपो और उत्तर-पूर्वी सना के दो सैन्य ठिकाने शामिल हैं।

ईरान ने की यमन के तेल बंदरगाह पर अमेरिकी हवाई हमलों की कड़ी निंदा

तेहरान। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता एस्माईल बाघेई ने यमन के तेल बंदरगाह रास ईसा पर अमेरिका के घातक हवाई हमलों की कड़ी निंदा की है।

बाघेई ने गुरुवार को यमन के बंदरगाह पर अमेरिकी हवाई हमलों के जवाब में यह टिप्पणी की, जिसमें कम से कम 80 लोग मारे गए।

बाघेई ने कहा कि हमला एक अपराध है और संयुक्त राष्ट्र चार्टर एवं अंतर्राष्ट्रीय कानून के मूल सिद्धांतों और नियमों का घोर उल्लंघन है।" उन्होंने जोर देकर कहा कि यमन के खिलाफ अमेरिकी "आक्रामकता" कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्रों में "इजरायल के कब्जे और नरसंहार के लिए उसके पूर्ण समर्थन" के साथ जुड़ी हुई है, और इससे क्षेत्र में असुरक्षा बढ़ेगी और अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को खतरा होगा।

यमन के ईंधन बंदरगाह रास ईसा पर अमेरिकी हवाई हमलों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 80 हो गई। वहीं 150 अन्य लोग घायल हुए। यह जानकारी हूती संचालित स्वास्थ्य अधिकारियों ने शनिवार को दी।

हमले गुरुवार रात को हुए। इनमें बंदरगाह और आयातित ईंधन के भंडारण के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले कई टैंकों को निशाना बनाया गया। समाचार एजेंसी शन्हिुआ के अनुसार, हमले में मारे गए और घायलों में बंदरगाह के कर्मचारी हैं, जिनमें पांच पैरामेडिक्स भी शामिल हैं। रास ईसा बंदरगाह यमन के लाल सागर के पास होदेदाह शहर के उत्तर-पश्चिम में स्थित है। यह हूती ग्रुप के कब्जे वाले क्षेत्रों में ईंधन के आयात का मुख्य स्त्रोत है।

बांग्लादेश में विरोध-प्रदर्शनों पर रोक, फिर भी सड़कों पर उतरे अवामी लीग के सदस्य

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी ने रविवार सुबह खुलना शहर में एक अप्रत्याशित जुलूस निकाला। अवामी लीग के समर्थक ऐसे समय में सड़क पर उतरे जब अंतरिम सरकार ने ऐसे प्रदर्शनों पर रोक लगाने के सख्त आदेश दिए थे।

यह विरोध प्रदर्शन खुलना जिला इकाई के बैनर तले आयोजित किया गया। सरकार गिरने के बाद से इस क्षेत्र में अवामी लीग का यह पहला बड़ा प्रदर्शन था।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने जिस बैनर को थामा था, उसमें बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान और शेख हसीना की तस्वीरें प्रमुखता से प्रदर्शित थीं।

प्रदर्शनकारियों ने 'शेख हसीना, हम डरते नहीं', 'शेख हसीना की सरकार, बार-बार जरूरी है' और 'शेख हसीना हीरो की तरह लौटेंगी' जैसे नारे लगाए।

प्रदर्शन से एक दिन पहले ही अंतरिम सरकार के गृह सलाहकार जाहंगीर आलम चौधरी ने सुरक्षा बलों को चेतावनी दी थी कि यदि वे ऐसे अवामी लीग प्रदर्शनों को रोकने में नाकाम रहते हैं, तो उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

चौधरी ने कहा, "पुलिस अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि यदि वे इन प्रदर्शनों को नियंत्रित करने में असफल रहते हैं, तो उन्हें नतीजे भुगतने होंगे।"

खुलना मेट्रोपॉलिटन पुलिस के ओरिंटोना थाना प्रभारी खैरुल बशार ने बताया कि अवामी लीग के कार्यकर्ता एक वाहन से अचानक उतरे, झटपट जुलूस निकाला और मौके से भाग गए। उन्होंने कहा, "यह घटना सुबह के समय हुई जब सड़कों पर ज्यादा भीड़ नहीं थी। हम सीसीटीवी फुटेज और अन्य माध्यमों से प्रदर्शनकारियों की पहचान कर रहे हैं और जल्द ही उन्हें हिरासत में लिया जाएगा।"

इस बीच, बांग्लादेश ने इंटरपोल से पूर्व प्रधानमंत्री हसीना और 11 अन्य के खिलाफ मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार को उखाड़ फेंकने की साजिश के मामले में रेड नोटिस जारी करने का अनुरोध किया है।

बांग्लादेश के प्रमुख दैनिक 'द ढाका ट्रिब्यून' ने सहायक महानिरीक्षक (मीडिया) इनामुल हक सागर के हवाले से इस घटनाक्रम की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि "यह अनुरोध जांच या चल रही अदालती कार्यवाही के दौरान सामने आए आरोपों के आधार पर किया गया है।" उन्होंने बताया कि "विदेश में रह रहे भगोड़े आरोपियों की लोकेशन ट्रैक करने में इंटरपोल अहम भूमिका निभाता है। जैसे ही किसी की लोकेशन की पुष्टि होती है।

सीएमजी का मलेशियाई प्रधानमंत्री से विशेष साक्षात्कार

बीजिंग। हाल ही में मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने प्रधानमंत्री कार्यालय में चाइना मीडिया ग्रुप (सीएमजी) के संवाददाता को एक विशेष साक्षात्कार दिया।

उन्होंने चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की मलेशिया यात्रा की चर्चा करते हुए कहा कि शी की यात्रा न केवल मैत्रीपूर्ण आदान-प्रदान है, बल्कि यह भी दशार्ती है कि विभिन्न क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध एक नई ऊंचाई पर पहुंच गए हैं। मलेशिया और आसियान सभी देशों के साथ अच्छे संबंध स्थापित करने, तटस्थता और पारस्परिक सम्मान के सिद्धांत को बनाए रखने की वकालत करते हैं। मलेशिया और चीन के बीच कोई समस्या नहीं है। मलेशिया का मानना है कि चीन के साथ अपने संबंधों को न केवल बनाए रखना बल्कि उसे और मजबूत करना भी आवश्यक है।

अनवर ने चीन-मलेशिया संबंधों के विकास की सराहना की। उनका मानना है कि चीन और मलेशिया की सांस्कृतिक जड़ें समान हैं तथा शासन के दर्शन भी समान हैं तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग की व्यापक गुंजाइश है।

शेख हसीना की बढ़ सकती हैं मुश्किलें, बांग्लादेश ने इंटरपोल से रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने का किया अनुरोध

नई दिल्ली। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। बांग्लादेश पुलिस की ओर से इस संबंध में इंटरपोल को औपचारिक अनुरोध भेजा गया है। शेख हसीना के अलावा 11 अन्य व्यक्तियों के खिलाफ भी इसी तरह की कार्रवाई की जा रही है। इन सभी पर आरोप है कि उन्होंने बांग्लादेश में अस्थिरता फैलाने की साजिश रची और देश विरोधी गतिविधियों में संलिप्त रहे।

ढाका ट्रिब्यून ने, देश के पुलिस मुख्यालय में सहायक महानिरीक्षक (मीडिया) इनामुल हक सागर के हवाले से इसकी पुष्टि की है। हक ने बताया कि बांग्लादेश पुलिस के राष्ट्रीय केंद्रीय ब्यूरो (एनसीबी) ने इंटरपोल से रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा, 'ये आवेदन उन आरोपों के संबंध में दायर किया गया है, जो जांच के दौरान या जारी मामले की कार्रवाई में सामने आए हैं।'

बांग्लादेश पुलिस ने हाल ही में शेख हसीना और अन्य के खिलाफ गृह युद्ध भड़काने और मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाले अंतरिम प्रशासन को हटाने का षड्यंत्र रचने के आरोप में मामला दर्ज किया है।

इनामुल हक सागर ने बताया कि यह अनुरोध अदालतों, सरकारी अभियोजकों और जांच एजेंसियों से प्राप्त अपीलों के आधार पर किया गया है।

उन्होंने कहा कि जांच प्रक्रिया के दौरान या किसी केस की सुनवाई के क्रम में सामने आए आरोपों के आधार पर इंटरपोल से मदद ली जाती है। यदि कोई आरोपी विदेश में है और उसका ठिकाना पता चल जाता है, तो वह जानकारी इंटरपोल को भेज दी जाती है, ताकि आरोपी को संबंधित देश में पकड़ा जा सके। सागर ने यह भी स्पष्ट किया कि रेड नोटिस के लिए किया गया यह अनुरोध अभी प्रक्रियाधीन है और इंटरपोल की मंजूरी की प्रतीक्षा की जा रही है।

गौरतलब है कि इससे पहले नवंबर 2024 में अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण के मुख्य अभियोजक कार्यालय ने शेख हसीना और अन्य फरार व्यक्तियों को पकड़ने के लिए पुलिस मुख्यालय से इंटरपोल की सहायता लेने का अनुरोध किया था। शेख हसीना को पिछले वर्ष पांच अगस्त को बांग्लादेश छोड़कर भारत आना पड़ा था, जब छात्र बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करते हुए सड़क पर उतर आए थे।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा, प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI NO. UPHIN/2001/09025
प्रबन्धक
अनूप मिश्रा
ऑफिस मो.: 9565333000
Email: akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादो का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा

ट्रंप का व्यापार युद्ध जर्मनी की आर्थिक व्यवस्था को कैसे नुकसान पहुंचा रहा?

अमेरिका

जब से डॉनल्ड ट्रंप ने कुछ देशों पर भारी टैक्स लगाने की घोषणा की है, तब से व्यापार का पुराना और नियमबद्ध ढांचा पूरी तरह से बिगड़ गया है. अब जर्मनी जैसे देश इससे बचने का समाधान ढूंढ रहे है. व्यापार सुरक्षा दुनिया के लिए कोई नई बात नहीं है. यहां तक कि निर्यात पर निर्भर जर्मनी के लिए भी नहीं. 19वीं सदी में जर्मनी के तत्कालीन चांसलर, ओटो फॉन बिस्मार्क ने भी विदेशों से सस्ता गेहूं आने से रोकने के लिए आयात पर टैरिफ लगाने की कोशिश की थी.

यह फैसला प्रभावशाली किसानों के दबाव में लिया गया था ताकि यूरोप के बाकी देशों से आयात होने वाले सस्ते गेहूं को जर्मनी में आने से रोका जा सके. हालांकि यह कोशिश नाकाम हो गई थी.

अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप, जो इतिहास को अलग नजरिये से देखते हैं. उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के एक नई व्यापार सुरक्षा नीति शुरू करने की कोशिश की है. सख्त शुल्क नीति लागू कर वह दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था यानी अमेरिका को बाहरी प्रतिस्पर्धा से बचाना चाहते है.

डच बैंक आईएनजी के अर्थशास्त्री, कार्स्टन ब्रजस्की का कहना है, "ज्यादातर पश्चिमी देशों की तरक्की का बड़ा कारण आजाद व्यापार नीति रही है, जिसे पीछे धकेलने की कोशिश की जा रही है. ऐसे में अब एक नए संतुलन तक पहुंचने में वक्त लगेगा.

बिना सोचे-समझे जवाब देना व्यर्थ है

ब्रजस्की का मानना है कि ट्रंप की नीतियों का जवाब बदले की भावना से देना मूर्खता होगी खासकर तब जब "लिबरेशन डे" की घोषणा के हफ्ते भर बाद भी अमेरिका की कोई स्पष्ट रणनीति सामने नहीं आई है. उन्होंने डीडब्ल्यू से कहा, "अभी ट्रंप को जवाब देने का कोई फायदा नहीं है क्योंकि उनकी नीतियां बहुत अस्थिर हैं.

हालांकि, फिर भी यूरोपीय संघ ने शुरूआत कर दी है. उन्होंने मोटरसाइकिल और बॉर्बन व्हिस्की जैसे कुछ अमेरिकी उत्पादों पर जबाबी शुल्क लगाने की धमकी दी है. जब अमेरिका ने फ्रांसीसी और इटैलियन रेड वाइन को अगला निशाना बनाने के संकेत दिए, तो यूरोपीय संघ ने बॉर्बन को सूची से हटा दिया

अगर ट्रंप की जवाबी शुल्क की सूची को ध्यान से देखा जाए तो साफ हो जाता है कि वह असल में उन्हीं देशों को निशाना बना रहे हैं जिनका अमेरिका के साथ बड़ा और 'अनुचित' ट्रेड सरप्लस है. ब्रजस्की के अनुसार इसलिए "चीन, कनाडा, मैक्सिको और जर्मनी" निशाने पर हैं.

भले ही ट्रंप, यूरोपीय संघ को पसंद नहीं करते लेकिन 27 देशों वाला यह संघ उनका मुख्य निशाना नहीं है. उनके निशाने पर चीन है, जो अमेरिका की जगह दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की कोशिश कर रहा है.

इसी वजह से चीन को सबसे कड़े टैरिफ का सामना करना पड़ रहा है. अमेरिका को निर्यात होने वाले उसके सभी सामानों पर 145 फीसदी का टैक्स लगाया गया है, जिसकी पुष्टि व्हाइट हाउस ने 10 अप्रैल को की थी.

ब्रसेल्स जवाबी कार्रवाई के लिए बर्लिन की ओर देख रहा

डॉयचे बैंक रिसर्च के अर्थशास्त्री, मार्क शाटनबर्ग और रॉबिन विंकलर का मानना है कि जर्मनी ट्रंप के टैरिफ से बच नहीं पाएगा. इस मुद्दे पर खुलकर सामने आने के लिए वह जर्मन नेताओं से अपील करते है. अपनी रिसर्च रिपोर्ट में वह लिखते हैं कि टैरिफ से मिला झटका "आने वाली जर्मन सरकार पर यह दबाव डाल रहा है कि वह विश्व भर में चुनौतीपूर्ण माहौल के बीच देश की अर्थव्यवस्था की प्रतिस्पर्धा से रक्षा करे. उनकी यह बात जर्मनी की मौजूदा राजनीतिक दुविधा की ओर इशारा करती है. मार्च में हुए चुनावों के बाद से अब तक नया चांसलर चुना नहीं गया है।